शब्दों में प्रचण्ड ऊर्जा है परिवर्तन की क्षमता है। शर्त है कि वे शब्द अनुभूति की अग्नि से तपकर निकले हों। -महास्थविर शांति मुनि

जयपुर ■ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 13 | अंक : 235 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत **व्यापार एवं विकास की आवाज** मूल्य : 3 रुपए | पेज : 8 दैनिक | www.businessremedies.com

जयपुर | रविवार 6 सितम्बर, 2026

समाचार पत्र की प्रति प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें: 9462549061

एआई बूम से 2025 में वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संपत्ति रिकॉर्ड 15 ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में आई तेजी और टेक्नोलॉजी शेयरों में मजबूत बढ़त है, जिससे अरबपतियों की संख्या के साथ-साथ उनकी संपत्ति में भी तेज वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या 2025 के दौरान 8.2 प्रतिशत बढ़कर 3,795 हो गई, जो पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है। इस दौरान उनकी कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डॉलर हो गई। यह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति पर टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़े निवेशों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। अल्ट्राटा ने कहा कि अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में एआई बूम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टेक्नोलॉजी शेयरों के मजबूत प्रदर्शन ने भी उनकी संपत्ति बढ़ाने में मदद की। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलॉजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में 150 सूचीबद्ध कंपनियों की पहचान की गई, जिन्होंने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चीनी के दाम घटे, राहत मिलने में लगेगा वक्त

चीनी एक हफ्ते में 4 प्रतिशत सस्ती

फिर भी बीते माह से 27 प्रतिशत महंगी

नई दिल्ली | बीआर न्यूज नेटवर्क
businessremedies.com

देशभर में चीनी के खुदरा (रिटेल) भावों में पिछले एक हफ्ते के दौरान आंशिक गिरावट दर्ज की गई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, एक हफ्ते पहले जो चीनी 65.08 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह करीब 3.85 प्रतिशत घटकर 62.57 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इसके बावजूद, कीमतें पिछले महीने के 49.33 रुपए प्रति किलो के औसत स्तर से अब भी लगभग 27 प्रतिशत ऊपर बनी हुई हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं को पूरी राहत मिलने में अभी वक्त लग रहा है।

कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने कई उपाय किए थे। इनमें 10 लाख टन चीनी के आयात की अनुमति देना शामिल है। इसके अलावा बल्क यूजर्स और डीलरों के लिए स्टॉक रखने से जुड़े नियमों को भी सख्त किया गया। सरकार की कोशिश एक साथ सप्लाई बढ़ाने और बाजार में उपलब्ध स्टॉक पर नजर रखने की है। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इन कदमों के बाद थोक और रिटेल दोनों बाजारों में कीमतों में कुछ नरमी आई है।

थोक बाजारों में नरमी और सरकारी कदम

थोक बाजार में भी कीमतों में नरमी का रुख देखा गया है। 2 सितंबर को चीनी का औसत थोक भाव 57.62 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया, जो एक हफ्ते पहले 60.39 रुपए प्रति किलो था। थोक स्तर पर आई इस 2.77 रुपए प्रति किलो की कमी के पीछे केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सख्त कदम हैं। कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने हाल ही में 10 लाख टन चीनी के आयात (इंपोर्ट) की अनुमति दी है और साथ ही थोक उपभोक्ताओं व डीलरों के लिए स्टॉक सीमा के नियमों को भी कड़ा किया है।

रिटेल बाजार में क्यों नहीं दिख रहा पूरा असर?

थोक भाव गिरने के बावजूद ग्राहकों को इसका तुरंत पूरा फायदा नहीं मिल पा रहा है। इसकी मुख्य वजह यह है कि अधिकांश खुदरा दुकानदारों के पास पहले से ही महंगे दामों पर खरीदा हुआ पुराना स्टॉक मौजूद है। दुकानदार उस पुराने स्टॉक को नुकसान उठाकर कम कीमत पर बेचने से बच रहे हैं। माना जा रहा है कि जैसे ही यह पुराना स्टॉक खत्म होगा और नया सस्ता माल दुकानों तक पहुंचेगा, तब ग्राहकों को खुदरा बाजार में पूरी राहत मिल सकेगी।

उत्पादन में कमी और खपत की स्थिति

सरकार ने मिलों पर कीमतें कृत्रिम रूप से बढ़ाने का आरोप लगाया है, जबकि देश में चीनी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि 2025-26 के मार्केटिंग ईयर के लिए चीनी उत्पादन का अनुमान पहले के 343 लाख टन से घटाकर 306 लाख टन कर दिया गया है, फिर भी देश की सालाना घरेलू मांग (करीब 280-285 लाख टन) को देखते हुए उपलब्धता का कोई बड़ा संकट नहीं है। आगामी 10 दिन बाजार के लिहाज से बेहद अहम बताए जा रहे हैं, क्योंकि सरकार सप्लाई बढ़ाने और स्टॉक पर कड़ी नजर बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

भारत दो साल में मेट्रो नेटवर्क की लंबाई में अमेरिका को पीछे छोड़ देगा: मनोहर लाल

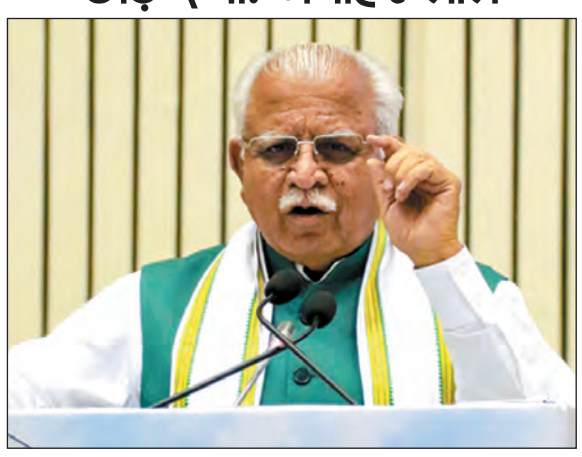

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्रीय विद्युत एवं आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को कहा कि भारत अगले दो वर्षों में मेट्रो रेल नेटवर्क की लंबाई के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ सकता है। इंदौर में विस्तारित मेट्रो रेल सेवा का उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने कहा कि भारत का मेट्रो नेटवर्क 26 शहरों में 1,170 किलोमीटर तक पहुंच गया है, जबकि अमेरिका में यह 1,386 किलोमीटर है।

उन्होंने कहा कि इंदौर लाइन के विस्तार के साथ, भारत का मेट्रो रेल नेटवर्क 1,170 किलोमीटर तक पहुंच गया है। उन्होंने आगे कहा कि अब देश अमेरिका के नेटवर्क से 216 किलोमीटर पीछे है। उनके अनुसार, मुझे लगता है कि अगले दो वर्षों में हम अमेरिका को पीछे छोड़ देंगे और चीन के बाद मेट्रो रेल नेटवर्क के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि चीन में वर्तमान में लगभग 8,000 किलोमीटर मेट्रो रेल लाइनें हैं। मंत्री के अनुसार, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार संभाला था, तब पांच शहरों में 245 किलोमीटर के क्षेत्र में मेट्रो रेल सेवाएं चालू थीं। उन्होंने आगे बताया कि नेटवर्क का विस्तार 26 शहरों में 1,170 किलोमीटर तक हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि मेट्रो रेल केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को सुगम बनाने का भी एक माध्यम है और इसका विस्तार 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के लक्ष्य से जुड़ा हुआ है। 2,850 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विस्तारित इंदौर मेट्रो सेवा अब गांधी नगर और मालवीय नगर चौराहा के बीच 17 किलोमीटर के मार्ग पर चलेगी। यह सेवा पहले गांधी नगर और सुपर कॉरिडोर-3 स्टेशनों के बीच छह किलोमीटर के खंड पर व्यावसायिक रूप से संचालित हो रही थी। इसके अतिरिक्त, विस्तारित मार्ग पर पहली ट्रेनें दोनों छोर से प्रतिदिन सुबह 9 बजे रवाना होंगी। वहीं, आखिरी ट्रेन शाम 7 बजे चलेगी।

हर 15 मिनट में ट्रेनें उपलब्ध होंगी, जिनमें प्रतिदिन 80 से अधिक ट्रिप निर्धारित हैं।

केंद्र सरकार की 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल शुरू, एमएसएमई को मिलेगी किफायती प्रोफेशनल सहायता

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए अनुपालन (कंप्लायंस) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल शुरू की है। इस पहल का मकसद अनुपालन को डरावना नहीं, बल्कि आसान और ज्ञान को सुलभ बनाना है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य अनुपालन को एक बोझ से बदलकर विश्वास, पारदर्शिता, जवाबदेही और व्यवस्थित विकास का माध्यम बनाना है। सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में 'कॉर्पोरेट मित्र' पहल की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य प्रशिक्षित और प्रमाणित पैरा-प्रोफेशनल्स का एक पूल तैयार करना है जो एमएसएमई को बिजनेस और रेगुलेटरी अनुपालन में मदद कर सकें। यह प्रोग्राम आईसीएआई, आईसीएसआई और आईसीओएआई की प्रोफेशनल विशेषज्ञता को आईआईटी मद्रास, आईआईटी मद्रास प्रवर्तक औरस्वयं प्लस के तकनीकी और अकादमिक सहयोग के साथ जोड़ता है।

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 13 । अंकः 235

सम्पादकीय

फिर तेज बारिशः सावधानी ही सबसे बड़ा उपाय

देश में राजधानी दिल्ली सहित राजस्थान में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। देश के कई हिस्सों में तेज बारिश हो रही है। दिल्ली व जयपुर में कल और आज लगातार बारिश का दौर चला। वहीं दिल्ली में आज हुई मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में जलजमाव हो गया। दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ानें भी प्रभावित हुईं। तेज बारिश के चलते लोगों की आवाजाही भी थम गई। दूसरी ओर राजस्थान में राजधानी जयपुर सहित अजमेर में स्कूल की दीवार गिरने की घटना ने सुरक्षा की चिंता बढ़ा दी है। इन परिस्थितियों में सरकार ने पांच जिलों में स्कूलों में अवकाश की घोषणा कर सही कदम उठाया है। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से यह फैसला लिया है, जो सराहनीय है।

तेज बारिश के साथ जलभराव, सड़कों का कट जाना और पुरानी इमारतों के गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। अजमेर जैसी घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि मौसम की मार से निपटने के लिए सतर्कता बेहद जरूरी है। बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए स्कूलों में छुट्टी का फैसला न सिर्फ सही, बल्कि आवश्यक भी था। प्रशासन ने लोगों से ऐहतियात बरतने की अपील की है। अब जरूरत इस बात की है कि नागरिक भी इस अपील को गंभीरता से लें। जलभराव वाले इलाकों से दूर रहें। अनावश्यक आवागमन से बचें। खुले में खड़े पेड़ों या कमजोर दीवारों के पास न जाएं। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें क्योंकि सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं। बिजली के खंभों और तारों से दूरी बनाए रखें। घरों में पानी घुसने की स्थिति में तुरंत संबंधित विभाग से संपर्क करें।

सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी सिर्फ अवकाश घोषित करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना, पुरानी इमारतों की जांच करवाना और आपातकालीन राहत टीमों को स ि य रखना जरूरी है। साथ ही, मौसम विभाग की चेतावनियों को समय पर लोगों तक पहुंचाना भी महत्वपूर्ण है। बारिश जीवनदायी है, लेकिन उसकी तेज मार विनाशकारी भी साबित हो सकती है। राजस्थान जैसे राज्य में जहां जल संकट और बाढ़ दोनों की समस्याएं बनी रहती हैं, वहां सामूहिक सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। सरकार, प्रशासन और नागरिक तीनों को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा। सावधानी बरतें, सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सचेत करें। प्रकृति के इस प्रकोप से निपटने का यही सबसे अच्छा तरीका है।

BR सूचना

इस पृष्ठ पर प्रकाशित सभी विशेष लेख व्यक्तिगत सोच के आधार पर है।

संपादक

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

ललित गर्ग

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी।

महावीर जैन जागृति परिषद की विशेष कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन

उदयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

बदलते सामाजिक परिवेश में विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं नवविवाहित दम्पत्तियों को रिश्तों की समझ, संवाद, विश्वास और आपसी समायोजन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से महावीर जैन जागृति परिषद् (रजि.), हिरण मगरी उपनगरीय परिक्षेत्र की ओर से विशेष कार्यशाला 'रिश्तों की नाजुक डोर को समझिए' आयोजित की जाएगी। कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन महावीर स्कूल, हिरण मगरी सेक्टर-4 में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। चंचल मांडावत, उषा मेहता, विद्या खटवा? एवं नमिता मेहता ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। वहीं परिषद् अध्यक्ष डॉ. हिम्मत लाल वया ने अतिथियों एवं समाजजनों का स्वागत किया। साथ ही पधारे अतिथियों का पगड़ी एवं उपरणा ओढ़ाकर तथा 'महावीर अलौकिक' पुस्तक भेंट कर सम्मान किया गया।

परिषद् मंत्री अरुण वया ने बताया कि राजस्थान विद्यापीठ की कुलपति प्रो. मंजु मांडोत, समाजसेवी एवं उद्योगपति महेन्द्र टाया तथा अम्बागुरु शोध संस्थान के अध्यक्ष ललित लोढ़ा ने संयुक्त रूप से आगामी 11 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाली विशेष कार्यशाला के पोस्टर का विमोचन किया।

कार्यक्रम संयोजक आर.सी. मेहता ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज के बदलते सामाजिक परिवेश में विवाह से पहले सही मार्गदर्शन और विवाह के बाद आपसी समझ, संवाद, विश्वास एवं समायोजन की आवश्यकता बढ़ गई है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजेश्वरी नरेन्द्रन, भारतीय प्रबंध संस्थान, उदयपुर, प्रेरक वक्ता धीरज अरोड़ा एवं सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश महेंद्र मेहता मार्गदर्शन देंगे। कार्यशाला का पंजीयन शुल्क मात्र 200 रुपए रखा गया है।

समाजसेवी महेन्द्र टाया ने कहा कि विवाह की बढ़ती उम्र और बदलती जीवनशैली के कारण सामाजिक एवं पारिवारिक स्तर पर कई चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे विषयों पर समय रहते समाज में खुलकर चर्चा एवं उचित मार्गदर्शन जरूरी है।

राजीव जैन ने कहा कि परिवारों में धैर्य की कमी, संयुक्त परिवार व्यवस्था का विघटन तथा एक-दूसरे के प्रति प्रतिशोध की भावना परिवारों के टूटने के प्रमुख कारण बन रहे हैं। रिश्तों को बचाने के लिए संवाद, धैर्य और एक-दूसरे को समझने की भावना आवश्यक है। उन्होंने नई पीढ़ी को संस्कार देने तथा ऐसे आयोजनों के माध्यम से जागरूक करने की आवश्यकता बताई।

अहिंसा का आचरण ही जीवन को बनाता है सार्थकः डॉ. सुरेन्द्र मुनि

उदयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

देवेंद्रधाम स्थित महावीर समवसरण में आयोजित प्रवचन में डॉ. सुरेन्द्र मुनि ने श्रावक धर्म के 12व्रतों की व्याख्या करते हुए प्रथम आवश्यकता की सर्वोपरि महत्ता बताई और इसे समस्त धर्मों का सार रूप कहा।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को इसे विविध प्रकार से अपने जीवन में धारण करना चाहिए। मन, वचन और काया के रूप में की जाने वाली अहिंसा ही जीवन में वास्तविक फल प्रदान करती है। वर्तमान समय में शरीर के साथ वचनों से भी नशा भोगी अपेक्षाओं का प्रयोग कर मानव हिंसा का भाजक बन रहा है।

उन्होंने कहा कि घर के सदस्यों से लेकर नौकर-चाकर, व्यापार और व्यवसाय तक हर क्षेत्र में मनुष्य आवश्यकताओं का हिस्सा बनकर परकाय के शोषण का प्रयोग करता रहता है। भगवान महावीर ने वचन चुकाया के साथ-साथ मन की हिंसा की सोच तथा तपस्या को भी कर्म बंधन का कारण बताया है।

सभा में प्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनि द्वारा भावना के अंतर्गत मनित मरण, संसार भावना आदि का चिंतन-मनन कराया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं से अहिंसा, संयम और आत्मचिंतन को जीवन में अपनानें का आह्वान किया।

दैनिक बिज़नेस रेमेडीज
व्यापार एवं विकास की आवाज

प्रकाशक एवं मुद्रक पुनीत जैन द्वारा सिंघवी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स सेक्टर नं.11, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर-302020 जयपुर से मुद्रित एवं 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : पुनीत जैन
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)
मो. 9929106227
ई-मेलः remediesbusiness@gmail.com

डिसक्लेमर

बिज़नेस रेमेडीज़ का उद्देश्य अपने पाठकों को व्यापार और विकास से जुड़ी सटीक, उपयोगी और भरोसेमंद जानकारी प्रदान करना है। हम प्रकाशित सामग्री की विश्वसनीयता बनाए रखने का पूरा प्रयास करते हैं, लेकिन किसी लेख में व्यक्त विचार हमेशा संपादकीय टीम की राय से मेल नहीं खा सकते। इसलिए पाठकों से निवेदन है कि किसी भी जानकारी पर आधारित निर्णय लेते समय अपने विवेक का इस्तेमाल करें। प्रकाशित सामग्री के आधार पर लिए गए किसी निर्णय या कार्यवाही की जिम्मेदारी यह प्रकाशन नहीं लेता। इस प्रकाशन में दिखाए गए सभी विज्ञापन पूरी तरह से संपादकीय सामग्री से स्वतंत्र होते हैं। विज्ञापनों में किए गए दावों या दी गई जानकारी की पुष्टि या समर्थन बिज़नेस रेमेडीज़ द्वारा नहीं किया जाता। विज्ञापन से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत की पूरी ज़िम्मेदारी संबंधित विज्ञापनदाता की होगी। यहां प्रकाशित सभी लेख, रिपोर्ट और सामग्री चाहे वे स्टाफ लेखक, समाचार एजेंसियों या अतिथि लेखकों द्वारा दी गई हो, बिज़नेस रेमेडीज़ की बौद्धिक संपदा हैं। बिना पूर्व लिखित अनुमति के किसी भी सामग्री का दोबारा प्रकाशन, वितरण या प्रसारण करना कानूनन वर्जित है।

2021 से 2025 के बीच भारत के सात बड़े शहरों में घर की कीमतें औसतन 59% बढ़ीं, एनारॉक रिसर्च की रिपोर्ट

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

पिछले कुछ सालों में दिल्ली-NCR में घर खरीदना काफी महंगा हो गया है। इसका कारण सिर्फ यह नहीं है कि कंस्ट्रक्शन कोस्ट बढ़ गई है। एनारॉक रिसर्च की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक घरों की कीमत बढ़ने के पीछे जमीन की कीमत, लोकेशन, डिमांड और अन्य खर्च भी बड़ी वजह हैं।

2021 से 2025 के बीच भारत के सात बड़े शहरों में घर की कीमतें औसतन 59% बढ़ीं, जबकि घर बनाने की लागत सिर्फ 34% बढ़ी। यानी घरों की कीमतें कंस्ट्रक्शन कोस्ट से काफी ज्यादा तेजी से बढ़े। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-2025 के बीच कंस्ट्रक्शन कोस्ट 2681 से 3604 प्रति वर्ग फुट हो गई। वहीं, घर की औसत कीमत 5826 से 9260 प्रति वर्ग फुट पहुंच गई है।

दिल्ली-NCR के खरीदारों के लिए इसका सीधा असर पड़ता है। जितना महंगा घर होगा, उतनी ही ज्यादा डाउन पेमेंट और होम लोन की जरूरत होगी, जिससे EMI भी बढ़ सकती है। ANAROCK के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के सात बड़े शहरों में घरों की औसत कीमत 2021 में 5826 प्रति वर्ग फुट थी, जो 2025 में बढ़कर 9260 प्रति वर्ग फुट हो गई। यानी करीब 59% की बढ़ोतरी हुई।

ANAROCK के मुताबिक, एक स्टैंडर्ड-प्लस हाउसिंग प्रोजेक्ट की एवरेज कंस्ट्रक्शन कोस्ट 2021 में 2681 प्रति वर्ग फुट थी, जो 2025 में बढ़कर 3604 प्रति वर्ग फुट हो गई। यानी इसमें करीब 34% की बढ़ोतरी हो गई है। कंस्ट्रक्शन कोस्ट में सालाना बढ़ोतरी करीब 6.9% जबकि घरों की औसत कीमत करीब 12% सालाना की दर से बढ़ी।

किसी घर की अंतिम कीमत में सिर्फ ईंट, सीमेंट और मजदूरी का खर्च शामिल नहीं होता। इसमें जमीन की कीमत, लोकेशन, सड़क और मेट्रो जैसी कनेक्टिविटी, डिमांड-सप्लाई, प्रोजेक्ट की कंडीशन, डेवलपर की कीमत और मार्केट की कंडीशन जैसे कई दूसरे कारक भी शामिल होते हैं।

घरों की कीमतें निर्माण लागत से ज्यादा क्यों बढ़ीं?

1. इनमें जमीन की बढ़ती कीमत एक बड़ी वजह है। घर बनाने में सीमेंट, स्टील और मजदूरी का खर्च तो शामिल होता है, लेकिन जमीन की कीमत अलग होती है।

2. अगर किसी इलाके में जमीन के दाम तेजी से बढ़ जाते हैं, तो वहां बने फ्लैट की कीमत भी बढ़ सकती है। ऐसा जरूरी नहीं है कि निर्माण लागत भी उसी अनुपात में बढ़ी हो।

ANAROCK के मुताबिक, 2021 से 2026 की पहली छमाही के बीच दिल्ली-NCR में यह बढ़ोतरी सबसे ज्यादा यानी करीब 70 से 130% रही। इसका सीधा असर घरों की कीमत पर पड़ता है। खासकर उन इलाकों में जहां मेट्रो, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, ऑफिस हब और दूसरी बड़ी सुविधाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

फ्लैट की कीमत में जमीन और उसकी लोकेशन की कीमत भी शामिल होती है। यही वजह है कि अच्छी लोकेशन वाले इलाकों में घरों की कीमत निर्माण लागत बढ़ने से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ सकती है।

घर बनाने की लागत अभी भी बढ़ रही है। ANAROCK के मुताबिक, मध्य पूर्व के तनाव से कुल निर्माण लागत में 8-10% तक और बढ़ोतरी हो सकती है। स्टील, ट्रांसपोर्ट, फिनिशिंग मटेरियल और MEP की लागत बढ़ी है। स्टील करीब 20%, लॉजिस्टिक्स 15-20%, जबकि मजदूरी और सीमेंट की लागत में भी बढ़ोतरी हुई है। इसका असर खासकर नई परियोजनाओं में घरों की कीमत पर पड़ सकता है।

सदस्यता कूपन

(केवल डाक या ई-मेल से प्राप्त करने के लिए)

अवधि	अंक	सदस्यता शुल्क
1 वर्ष	358	1050

E-mail
remediesbusiness@gmail.com

नामः ....

पताः ....

....पिनकोड....................

फोनः.................... मो. ....

ड्राफ्ट/चैक का विवरणः ....

ई-मेलः ....

बिजनेस रेमेडीज प्राप्त करने के लिए सदस्यता शुल्क बैंक अकाउंट में जमा कराये या सदस्यता फार्म भरकर चैक/डीडी के साथ कार्यालय पर भिजवायें।

Bank Account:- Business Remedies

A/c No. 61233949765 Bank Name: SBI

पताः- 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर

फोनः- 9166611333, 9929106227

#साधारण डाक द्वारा बिजनेस रेमेडीज की डिलीवरी में अनियमितता होने पर बिजनेस रेमेडीज प्रबंधन जिम्मेदार नहीं होगा।

कोरियर सुविधा

कोरियर के द्वारा बिजनेस रेमेडीज मंगवाने पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

केंद्र सरकार ने हवाई अड्डों के पास इमारतों की ऊंचाई के लिए मंजूरी प्रक्रिया को तेज करने की योजना बनाई, स्थानीय निकाय जारी कर सकते हैं एनओसी

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज़

हवाई अड्डों के पास इमारतों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करना डेवलपर्स के लिए एक कठिन प्रक्रिया रही है क्योंकि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से ऊंचाई संबंधी मंजूरी मिलने में अक्सर लंबा समय लगता है।

इस समस्या के समाधान के लिए, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने भवन की ऊंचाई की मंजूरी को तेज और सरल बनाने के लिए लक्षित सुधारों की घोषणा की है।

मौजूदा व्यवस्था के तहत, डेवलपर अक्सर अपने भूखंड के लिए अनुमत सटीक ऊंचाई सीमा को जाने बिना ही अपने भवन डिजाइन को अंतिम रूप दे देते हैं और आवास योजनाएं प्रस्तुत कर देते हैं। यदि विमानन प्राधिकरण बाद में यह निर्धारित करते हैं कि प्रस्तावित ऊंचाई अनुमत नहीं है, तो परियोजना को शुरू से ही पुनः डिजाइन करना होगा। इससे समय और धन का भारी नुकसान हो सकता है।

मंत्रालय अब एक ऐसी प्रणाली की ओर बढ़ रहा है जिसमें आवेदक योजना के प्रारंभिक चरण में ही अनुमेय भवन ऊंचाई निर्धारित कर सकेंगे। आरंभ में, यह दृष्टिकोण दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद जैसे प्रमुख महानगरों पर केंद्रित होगा। इससे हाउसिंग सोसाइटियों, आर्किटेक्टों और बिल्डरों को शुरू से ही स्वीकृत ऊंचाई सीमा के भीतर परियोजनाओं को डिजाइन करने की सुविधा मिलेगी।

वर्तमान में, अनापत्ति प्रमाण पत्र आवेदन प्रणाली (एनओसीएएस) हवाई अड्डों के आसपास दृश्य उड़ान नियमों (वीएफआर) के लिए 20 किमी और उपकरण उड़ान नियमों (आईएफआर) के लिए 56 किमी के दायरे में ऊंचाई प्रतिबंधों का प्रबंधन करती है।

सरकार अनुमोदन प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण पर भी विचार कर रही है। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) या नगर निगमों को पूर्व-निर्धारित विमानन क्षेत्र डेटा का उपयोग करके स्थानीय स्तर पर ऊंचाई संबंधी एनओसी जारी करने का अधिकार दिया जा सकता है। इससे आवास संबंधी सामान्य स्वीकृतियों को सीधे नियमित नगरपालिका भवन-योजना अनुमोदन प्रक्रिया में शामिल किया जा सकेगा, बजाय इसके कि प्रत्येक संपत्ति मालिक को सीधे केंद्रीय विमानन प्राधिकरण में आवेदन करना पड़े।

नए निर्देश में प्रारंभिक भौतिक स्थल भ्रमण की आवश्यकता को कम करने और दस्तावेज़ संबंधी आवश्यकताओं को सरल बनाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

अनुमोदन प्रक्रिया में स्वचालित डिजिटल उपकरणों, स्थानिक मानचित्रण और पारदर्शी सार्वजनिक डेटा का अधिक उपयोग किया जाएगा। इससे मैन्युअल सत्यापन पर निर्भरता कम होगी और मंजूरी के लिए आवश्यक समय में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

BUSINESS

न्यूज ब्रीफ

भाजपा का सिंधी समाज की अनदेखी से समाज में भारी रोष

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़। जयपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा ने सिंधी समाज की अनदेखी कर समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। इस कारण से सर्व सिंधी समाज उद्वेलित है और सिंधी समाज ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कड़ा रुख अपनाने का निर्णय लिया है। राजस्थान सिंधी महापंचायत के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश खेतानी व सिंधु वीर नानकराम थावानी ने साझा बयान जारी करते हुए सर्व सिंधी समाज से आव्हान किया है। उल्लेखनीय है कि भाजपा सिंधी समाज को अपना कट्टर वोट बैंक मानती है। वहीं सिंधी समाज अपने आप को कट्टर भक्त मानता है लेकिन क्या ताली एक हाथ से बजाई जा सकती है। वर्षों से देखते आ रहे हैं कि सिंधी समाज की उपेक्षा की जाती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर लालकृष्ण अडवाणी को साइड किया गया। राज्य स्तर पर ज्ञानदेव आहूजा को भी साइड किया गया। अब स्थानीय स्तर पर सिंधी कार्यकर्ताओं और योग्य लोगों को साइड किया गया। वहीं जयपुर में सिंधी समाज को मात्र 2 सीट पकड़ा दी गई। जबकि सिंधी बहुल क्षेत्र 14 से 15 हैं, जहां से समाज उम्मीद लगाए बैठा था। सिंधी समाज भाजपा का दुश्मन नहीं और रहेगा भी नहीं लेकिन जब बात आत्मसम्मान और वर्चस्व बचाने की हो तो अहंकार भी आवश्यक हो जाता है। आपको सीएम या पीएम के चुनाव के वोट नहीं देने, वहां हमारा स्टैंड पक्का है कि भाजपा को ही वोट देना है लेकिन अगर निगम चुनाव में अगर भाजपा को नकारा नहीं गया तो यह तय है कि अगले 2 साल बाद विधायक या सांसदों के चुनावों में सिंधी समाज भूल जाएं कि उनको बीजेपी पूछेगी भी या कोई टिकट भी मिलेगा। इसलिए इस बार एक बार अपना दिल मजबूत करते हुए अपने निर्दलीय सिंधी उम्मीदवारों और सिंधी कॉग्रेस उम्मीदवारों को जिताने के लिए लग जाएं, आपका यह निर्णय सिंधी समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज में शिक्षक दिवस का आयोजन

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़। एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज, मानसरोवर, जयपुर द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया। जिस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित कर उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। महाविद्यालय संयोजक राजेन्द्र कुमार जैन राजा ने अपने संदेश में शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शिक्षक अथवा गुरु द्वारा एक पथ-प्रदर्शक के रुप में दिये गये महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.(डॉ.) गौरव कटारिया ने सभी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय की प्रगति में दिये जा रहे योगदान की भूरी-भूरी प्रंशसा की।

डॉ. आदित्य नाग को 'इंद्र विद्या वाचस्पति सम्मान'

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़। शिक्षा, संस्कृति और समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए जयपुर के डॉ. आदित्य नाग को 'इंद्र विद्या वाचस्पति सम्मान' से सम्मानित किया गया। आर्य समाज, राजेंद्र नगर, नई दिल्ली और गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में हाल ही में आयोजित इस राष्ट्रीय वैदिक संगोष्ठी में उन्हें यह सम्मान दिया गया। इसके अलावा ये सम्मान सीबीएसई के निदेशक, विश्विद्यालय के कुलगुरु, दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदू सेंटर के निर्देशक, विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष को भी प्रदान किया गया। स्वामी श्रद्धानंद महाराज के बलिदान शताब्दी वर्ष के अवसर पर इस संगोष्ठी में वैदिक चिंतन, भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक समरसता पर विचार-विमर्श हुआ।

अब डीजल नहीं, सोलर से होगी खेतों की सिंचाई!

राजस्थान के किसानों के लिए पीएम कुसुम योजना में बंपर अनुदान

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राजस्थान के किसानों के लिए अच्छी खबर है। अब खेतों की सिंचाई के लिए डीजल पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं रहेगी। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम) योजना के कंपोनेंट-बी के तहत ऑफ-ग्रिड सोलर पंप लगाने पर किसानों को 60 प्रतिशत तक अनुदान मिल रहा है। इससे खेती की लागत घटेगी, सिंचाई आसान होगी और पर्यावरण को भी फायदा पहुंचेगा।

योजना का मुख्य उद्देश्य

पीएम कुसुम योजना का मुख्य लक्ष्य किसानों को डीजल से चलने वाले सिंचाई पंपों पर निर्भरता कम करना और खेती में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। हर सीजन में किसान सिंचाई के लिए काफी पैसा खर्च करते हैं। डीजल की कीमतें बढ़ने से खेती की लागत भी बढ़ रही है। ऐसे में सोलर पंप किसानों के लिए एक बेहतर और स्थायी विकल्प बन रहा है। राजस्थान में खेती की सिंचाई को आसान और सस्ता बनाने के लिए सरकार की ओर से सौर ऊर्जा पंप लगाने पर आर्थिक मदद दी जा रही है।

कितना मिलेगा अनुदान?

योजना के तहत सोलर पंप की कुल लागत पर 60 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार का 30-30 प्रतिशत योगदान है। शेष 40

प्रतिशत राशि किसान को खुद वहन करनी होगी। किसान अपनी हिस्सेदारी में से 30 प्रतिशत तक राशि बैंक से ऋण के रूप में ले सकता है, जिससे शुरुआती खर्च और कम हो जाता है। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों को विशेष लाभ दिया जा रहा है। उन्हें प्रति पंप 45 हजार रुपये का अतिरिक्त अनुदान राज्य मद से मिलेगा। इससे इन वर्ग के किसानों पर आर्थिक बोझ और भी कम हो जाएगा।

किन क्षमता के पंप लगाए जा सकेंगे

योजना में 3 से 10 हॉर्सपावर (एचपी) तक के सोलर पंप लगाए जा सकते हैं। हालांकि, केंद्रीय अनुदान आमतौर पर 7.5 एचपी तक की क्षमता के अनुसार सीमित रहता है। किसान अपनी जरूरत के हिसाब से सरफेस या सबमर्सिबल प्रकार के पंप चुन सकते हैं।

जल संरक्षण को प्रोत्साहन

इस योजना के तहत केवल ऊर्जा उत्पादन पर ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। यदि किसान के खेत में डिग्गी या अन्य माध्यम से पानी जमा करने की उचित व्यवस्था है, तो उन्हें इस योजना का प्राथमिकता से लाभ मिलता है, जिससे भूजल का सदुपयोग और संरक्षण दोनों सुनिश्चित होते हैं।

सरकार ने कुसुम योजना के तहत कंपोनेंट बी लगा रखा था। इस योजना में किसानों के लिए अलग से पंप लगाए जाने थे। वहीं कंपोनेंट सी में नेट मीटरिंग से पंप लगने थे। जहां सिंचाई के लिए सोलर पंप लगाए गए हैं, वहां लोग फायदे में ही हैं। इस योजना में 30 प्रतिशत केंद्र सरकार को और 30 प्रतिशत राज्य सरकार को देना था। बाकी किसानों को देना था। साथ ही सरकार ने एससी-एसटी वर्ग के लिए विशेष रियायत भी रखी है। बची राशि में से इस वर्ग लिए 45 हजार का और अनुमान दिया जा रहा है। इससे सिंचाई के लिए सोलर पंप को और बढ़ावा मिलेगा।

– अजय यादव, अध्यक्ष, रिन्यूएबल एनर्जी एसोसिएशन आफ राजस्थान (रियर)

पर्यावरण और किसानों दोनों के लिए फायदेमंद

सौर ऊर्जा का उपयोग न केवल किसानों की जेब पर भारी पड़ रहे खर्च को कम करेगा, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को घटाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी मददगार साबित होगा। राजस्थान में प्रचुर मात्रा में मिलने वाली धूप का यह सही उपयोग किसानों की तकदीर बदलने में अहम भूमिका निभा रहा है।

गरुड़ा एयरोस्पेस ने एयरो ऐज ड्रोन टेक प्राइवेट लिमिटेड को बनाया राजस्थान डिस्ट्रीब्यूटर

उदयपुर | बिजनेस रेमेडीज़। भारत की प्रमुख ड्रोन कंपनियों में शामिल गरुड़ा एयरोस्पेस ने राजस्थान में अपने ड्रोन व्यवसाय और नेटवर्क के विस्तार के लिए एयरो ऐज ड्रोन टेक प्रा. लि. को डिस्ट्रीब्यूटर नियुक्त किया है। इस साझेदारी का उद्देश्य आधुनिक ड्रोन तकनीक को प्रदेश के किसानों, उद्यमियों और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों तक पहुँचाना है।

गरुड़ा एयरोस्पेस ड्रोन निर्माण, कृषि ड्रोन, प्रशिक्षण एवं ड्रोन आधारित सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से उभरता भारतीय नाम है। वहीं राजस्थान आधारित एयरो ऐज ड्रोन 100 प्रतिशत महिला स्वामित्व वाली कंपनी है और इसके संस्थापक स्वयं किसान परिवार से जुड़े हैं। कंपनी का फोकस केवल ड्रोन बिक्री पर नहीं, बल्कि सेल्स, सर्विस, स्पेयर पार्ट्स, पायलट ट्रेनिंग और कृषि स्प्रे सेवाओं का 360ए ड्रोन इकोसिस्टम विकसित करने पर है।

राजस्थान में कारोबार बढ़ाएगी लिबर्टी, नए डीलर्स और एक्सक्लूसिव शोरूम पार्टनर्स पर फोकस

जयपुर में एसएस27 एनसीएम मीटिंग में 500 से अधिक नए फुटवियर सैंपल्स प्रदर्शित

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

भारत के प्रमुख फुटवियर ब्रांड लिबर्टी शूज़ लिमिटेड ने राजस्थान में अपने कारोबार और रिटेल नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जयपुर में एसएस27 एनसीएम मीटिंग का आयोजन किया। मीटिंग में कंपनी ने अपने आगामी एसएस27 कलेक्शन के 500 से अधिक नए फुटवियर सैंपल्स प्रदर्शित किए।

नई रेंज में टेक्नोलॉजी, कम्फर्ट, लाइटवेट कंस्ट्रक्शन, आकर्षक डिजाइन और बदलती उपभोक्ता जरूरतों पर विशेष फोकस किया गया है। साथ ही कंपनी ने राजस्थान में नए डीलर्स, फ्रेंचाइजी पार्टनर्स और एक्सक्लूसिव शोरूम पार्टनर्स को जोड़कर अपने नेटवर्क के विस्तार की योजना पर भी जोर दिया।

नई टेक्नोलॉजी के साथ पेश हुई एसएस27 रेंज

एसएस27 कलेक्शन में हैंड्सफ्री टेक्नोलॉजी, निट्रो सोल फुटवियर, लाइटवेट/जीरो ग्रेविटी फुटवियर, बेयरफुट टेक्नोलॉजी, एक्यू सेंस टेक्नोलॉजी तथा ओपन फुटवियर कैटेगरी प्रमुख आकर्षण रहे।

जयपुर हमारे लिए संस्कृति, पर्यटन और आधुनिक बाजार का संगमः लिबर्टी ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमन बंसल ने कहा कि राजस्थान और विशेष रूप से जयपुर को एसएस27 एनसीएम मीटिंग के लिए चुनना कंपनी के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि जयपुर केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश के प्रमुख सांस्कृतिक, पर्यटन और व्यावसायिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राजस्थान अपनी समृद्ध विरासत के साथ तेजी से आधुनिक लाइफस्टाइल और नए फैशन ट्रेंड्स को भी अपना रहा है। इसलिए हमारे नए कलेक्शन और नई टेक्नोलॉजी को प्रस्तुत करने के लिए जयपुर एक महत्वपूर्ण बाजार है।'

राजस्थान में लिबर्टी के लिए बड़े कारोबारी अवसरः लिबर्टी के हेड रिटेल रामनाथ वर्मा ने राजस्थान को कंपनी की विस्तार रणनीति के लिए महत्वपूर्ण बाजार बताते हुए कहा कि प्रदेश में फुटवियर रिटेल के लिए व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी राजस्थान में डीलर नेटवर्क, एक्सक्लूसिव शोरूम्स तथा मेगा एक्सक्लूसिव शोरूम्स के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, अलवर और भीलवाड़ा सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों और तेजी से उभरते बाजारों में नए बिजनेस पार्टनर्स को जोड़ने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है।

एसएस27 की पूरी रेंज राजस्थान तक पहुंचाना सराहनीय पहल- कनक फैशन हाउस की ओर से लिबर्टी शूज़ लिमिटेड का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि कंपनी द्वारा राजस्थान के बाजार को विशेष महत्व देते हुए नई एसएस27 रेंज, तकनीकी इनोवेशन और उपभोक्ता-केंद्रित योजनाओं से डिस्ट्रीब्यूटर्स एवं व्यापारिक भागीदारों को जोड़ना सराहनीय कदम है।

कनक फैशन हाउस ने कहा कि लिबर्टी ने एसएस27 की पूरी नई रेंज और आधुनिक तकनीकों को राजस्थान के बाजार से जोड़ने की जो पहल की है, वह प्रदेश के फुटवियर कारोबार के लिए उत्साहजनक है। हम कंपनी का इसके लिए धन्यवाद करते हैं और राजस्थान में लिबर्टी के विस्तार के लिए कंपनी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते रहेंगे।

राजस्थान ट्रैवल कनेक्ट में इंटरनेशनल और डोमेस्टिक बिजनेस डवलेपमेंट पर रहा फोकस

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्टेक होल्डर्स के साथ कनेक्ट कर टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ राजस्थान टूर ऑपरेटर्स (एफआरटीओ) की ओर से टूरिज्म रोड शो 'राजस्थान ट्रैवल कनेक्ट' का आयोजन अजमेर रोड़ स्थित प्रतिष्ठा बैक्वेंट में किया गया। इस विशेष बीटूबी रोड शो में नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर राजस्थान की समृद्ध पर्यटन संभावनाओं, प्रमुख एवं उभरते पर्यटन स्थलों, आधुनिक पर्यटन सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर तथा

पर्यटकों के लिए उपलब्ध विविध यात्रा अनुभवों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में द बुल इन्फोटेक के डायरेक्टर रजत लुबाना, एफआरटीओ के प्रेसिडेंट योगेंद्र सिंह, वाइस प्रेसिडेंट कपिल शर्मा, जनरल सेक्रेटरी कमल डोई, ज्वाइंट सेक्रेटरी देवेंद्र नरूका, ट्रेजरर अभिषेक मेहता, द पैलेस बाय पार्क ज्वेल्स के वाइस प्रेसिडेंट संतोष सिंह शेखावत सहित प्रदेश के प्रमुख टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल ट्रेड से जुड़े प्रतिनिधि एवं पर्यटन क्षेत्र के विभिन्न स्टेक होल्डर्स शामिल हुए।

एफआरटीओ के जनरल सेक्रेटरी कमल डोई ने बताया कि यह रोड शो केवल एक बिजनेस मीटिंग नहीं, बल्कि राजस्थान के पर्यटन उद्योग को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जोड़ने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म रहा। देश-विदेश से आई डोमेस्टिक कंपनियों और होटलियर्स के साथ राजस्थान के टूर ऑपरेटर्स को एक मंच पर लाकर नए डेस्टिनेशन, नए टूरिज्म प्रोडक्ट्स और नई बिजनेस संभावनाओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि राजस्थान सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि संपूर्ण पर्यटन अनुभव है। प्रदेश के ऐतिहासिक किले, भव्य महल, समृद्ध संस्कृति, विरासत, वन्य जीवन, शादियां, लग्जरी टूरिज्म और विश्वस्तरीय हॉस्पिटैलिटी देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करती है। रोड शो के माध्यम से राजस्थान को पारंपरिक पर्यटन तक सीमित न रखते हुए माइस, लग्जरी टूरिज्म, वेडिंग और एडवेंचर टूरिज्म तथा नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में और मजबूती से प्रमोट करने पर विशेष जोर दिया गया।

बिड़ला ऑडिटोरियम में आज सजेगी राष्ट्रभक्ति से सराबोर सजीले गीतों एवं नृत्यों की शाम

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

आराधना म्यूजिकल ग्रुप की ओर से देशभक्ति, संगीत और शहीदों के सम्मान में समर्पित कार्यक्रम 'वन्देमातरम-स्वर राष्ट्र के' 6 सितम्बर, रविवार शाम 5:30 बजे बिड़ला ऑडिटोरियम, जयपुर में होगा। इस इवेंट के पोस्टर का विमोचन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। ग्रुप के समाजसेवी एवं उद्योगपति सुभाष पराशर और संरक्षक उत्तम दुंदलोदिया ने बताया कि कार्यक्रम में लाइव बैंड के साथ देशभक्ति गीतों की लाइव सिंगिंग, लाइव डांसिंग और

फैंटास्टिक कोरियोग्राफी आकर्षण का केंद्र होगी।

कार्यक्रम के संरक्षक लक्की कपूर एवं राजीव कुमार ने बताया कि समारोह में डिफेंस एवं प्रशासनिक सेवा से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी विशेष शिरकत करेंगे। एएमजी के मेंटर्स के.पी. सक्सेना एवं गीतिका चतुर्वेदी के निर्देशन में कार्यक्रम की तैयारियां एवं रिहर्सल चल रही हैं। ग्रुप के फाउंडर अभिषेक माथुर ने बताया कि इस दौरान जयपुर के शहीद परिवारों का विशेष सम्मान होगा।

ईर्ष्या

आपको चेहरा बदसूरत पसंद नहीं, कपड़े भी बेढंगे आप पसंद नहीं करेंगे और खाने के लिए प्लेट और चम्मच या थाली कटोरी ग्लास भी सुदर डिजाइन की पसंद करेंगे, घर भी हरा-भरा सजा हुआ, यूनिक, औरों से हटकर, दिव्य-भव्य महल सा हो, जिसे देख लोग कह उठे- क्या कहना, आभूषण भी खूबसूरत कलाकारी वाले लेंगे। दोस्ती के फील्ड में भी आपकी सोच ऐसी रहती है कि इसके संस्कार सुन्दर होने चाहिए। भावी पीढ़ी बच्चों के लिए भी सुन्दर बेहतरीन आइडिया वाली मनोभूमि की सावधानी रखते हो? यदि हां, तो ये मत भूलना की अमन चैन जहां रहना पसंद नहीं करते, गहने को फीका बना दें, पनपने का मौका क्यों दू। ईर्ष्या ऐसा धुन है जो जिंदगी को खोखला कर देता है। आपका चिंतन ऐसा हो कि उस शुभ चिंतन के धरातल पर कई उजड़े आशिया महक उठे। ईर्ष्या की आग और धुंआ संबंधों में सेंध लगाता है, आपके दामन में ईर्ष्या का दीमक धरन करे, उससे पहले आप वसधैव कुटुम्बकं की मौलिकता को पहचाने और आत्मवत् सर्व भूएसू को जिए।

चिंतनशीला वसुमति जी मा.सा।

इनरव्हील दीवास ने बरोड़िया विद्यालय में मनाया शिक्षक दिवस

उदयपुर | बिजनेस रेमेडीज़

शिक्षक दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ उदयपुर दीवास की ओर से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बरोड़िया, बड़गाँव में शिक्षक सम्मान एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करने के साथ विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सेवा गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

क्लब अध्यक्ष नयना जैन ने बताया कि विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीतू शर्मा सहित 10 शिक्षकों का नारियल, इनर व्हील दीवास उपरना, लहरिया दुपट्टा एवं विशेष सर्टिफिकेट भेंट

कर सम्मान किया गया। इस दौरान शिक्षकों के समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि कांता जोधावत रहीं।

क्लब की ओर से विद्यालय के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, जूते, स्पोर्ट्स सामग्री, खिलौने तथा खाने-पीने की सामग्री भी वितरित की गई। बच्चों ने रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

क्लब की फाउंडर रेखा भानावत ने कहा कि शिक्षक समाज के भविष्य को गढ़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। शिक्षकों का सम्मान करने के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग करना क्लब की सेवा भावना का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि क्लब ने वर्ष 2024 में बरोड़िया स्कूल को 'हैप्पी स्कूल' के रूप में विकसित किया था। इसके बाद से क्लब विद्यालय और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर सेवा एवं विकास कार्यों में सहयोग कर रहा है।

कार्यक्रम में क्लब की उपाध्यक्ष आशा श्रीमाली, बेला व्यास, प्रीति श्रीमाली सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आवश्यकता

बिज़नेस रेमेडीज दैनिक समाचार पत्र को कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली में खबरों एवं विज्ञापन कार्य हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है

सम्पर्क करें

बिज़नेस रेमेडीज

217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर

फोनः +91-9929106227

ई-मेलः remediesbusiness@gmail.com

डाइड और प्रिंटेड फैब्रिक्स का विनिर्माण और प्रसंस्करण करने वाली कंपनी है 'विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड'

9 सितंबर को खुलकर 11 सितंबर 2026 को बंद होगा कंपनी का आईपीओ

VINOD TEXWORLD

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

अहमदाबाद आधारित 'विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड' डाइड और प्रिंटेड फैब्रिक्स का विनिर्माण और प्रसंस्करण करने वाली कंपनी है। कंपनी द्वारा मौजूदा संयंत्र का विस्तार करने, ऋण का पुनर्भुगतान करने, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों की पूर्ति हेतु एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर आईपीओ लाया जा रहा है। बिजनेस रेमेडीज की टीम ने कंपनी के प्रोस्पेक्ट्स से कंपनी की कारोबारी गतिविधियों के संबंध में जानकारी हासिल की है।

कारोबारी गतिविधियां: विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड का निगमन 2012 में हुआ था और यह एक इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल कंपनी है जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए विभिन्न प्रकार के टेक्सटाइल उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण और आपूर्ति में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी का मुख्य परिचालन ग्रेज फैब्रिक की रंगाई और छपाई की आवश्यक प्रक्रियाओं पर केंद्रित है, जिसे बाद में बाजार में बेचा जाता है। कंपनी ग्रेज फैब्रिक की सोर्सिंग से लेकर डाइड और प्रिंटेड फैब्रिक के अंतिम उत्पादन तक, संपूर्ण उत्पादन चक्र का प्रबंधन करती है, जिससे गुणवत्ता नियंत्रण और बाजार की बदलती मांगों के अनुरूप त्वरित अनुकूलन सुनिश्चित होता है। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में कई प्रकार के फैब्रिक जैसे कॉटन फैब्रिक, पॉलिएस्टर फैब्रिक और मिश्रित फैब्रिक शामिल हैं। विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड लगभग 5,949 वर्ग मीटर के स्वामित्व वाले भूभाग पर स्थित एक समर्पित विनिर्माण संयंत्र का संचालन करती है। इस संयंत्र की कुल स्थापित क्षमता लगभग 22,500,000 मीटर प्रति वर्ष है। कंपनी का गुजरात, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न भारतीय राज्यों में एक मजबूत घरेलू नेटवर्क है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के साथ-साथ नेपाल के बाजारों में अपने उत्पाद सफलतापूर्वक पहुंचाए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विनोद टेक्सवर्ल्ड के पास कुल 390 ग्राहक थे, जिनमें से 235 बार-बार आने वाले (repeat) ग्राहक रहे, जिन्होंने कुल बिक्री में 31,042.09 लाख रुपए का योगदान दिया। यह आंकड़ा कंपनी के मजबूत ग्राहक संबंधों को प्रमाणित करता है। इन-हाउस डाइंग और प्रिंटिंग प्रक्रियाओं के दम पर कंपनी का मैन्युफैक्चरिंग-टू-डिलीवरी चक्र महज 15 से 20 दिनों का है, जो ग्राहकों को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करता है। गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए कंपनी कलर फास्टनेस, रेजिडुअल श्रिंकेज, स्ट्रेचेबिलिटी और स्क्यूनेस जैसे कड़े इन-हाउस परीक्षण करती है।

वित्तीय प्रदर्शन: वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने 27165.39 लाख रुपए का कुल राजस्व और 548.64 लाख रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ, वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने 33573.61 लाख रुपए का कुल राजस्व और 923.36 लाख रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ और वित्त वर्ष 2026 में कंपनी ने 34295.76 लाख रुपए का कुल राजस्व और 1040.74 लाख रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ अर्जित किया है। विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान मजबूत वित्तीय और परिचालन परिणाम प्रदर्शित किए हैं, जिससे कपड़ा विनिर्माण क्षेत्र में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी ने 6.66 फीसदी का मजबूत एबिटा मार्जिन हासिल किया है, जो इसके कुशल वित्तीय और व्यावसायिक प्रबंधन को दर्शाता है। कंपनी की इस सफलता के पीछे उसकी मजबूत रणनीतिक क्षमताएं और एकीकृत विनिर्माण प्रक्रियाएं हैं।

आईपीओ के संबंध में जानकारी: 'विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड' का आईपीओ एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर 9 सितंबर को खुलकर 11 सितंबर 2026 को बंद होगा। कंपनी द्वारा 10 रुपए फेसवैल्यू के 4556400 इक्विटी शेयर 94 रुपए प्रति शेयर के भाव पर जारी कर करीब 42.83 करोड़ रुपए जुटाए जा रहे हैं। आईपीओ का मार्केट लॉट साइज 1200 शेयरों का है और रिटेल निवेशकों को दो लॉट के लिए आवेदन करना होगा। कंपनी के आईपीओ का प्रबंधन प्रमुख लीड मैनेजर कंपनी नोवस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

नोट: यह लेख निवेश सलाह नहीं है।

प्रवर्तकों का अनुभव

यश विनोद मित्तल

41 वर्षीय यश विनोद मित्तल विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और कंपनी के प्रमोटर हैं। उन्होंने उच्च माध्यमिक तक शिक्षा प्राप्त की है और वस्त्र उद्योग में 15 वर्षों से अधिक का उत्कृष्ट अनुभव और रणनीतिक नेतृत्व प्रदान किया है। वे वर्तमान में विनोद स्पिनर्स प्राइवेट लिमिटेड, विनोद कॉटफैब प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक और विनोद टेक्सस्पिन एलएलपी में नामित भागीदार के रूप में कार्यरत हैं।

हर्ष विनोद मित्तल

38 वर्षीय हर्ष विनोद मित्तल विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक और कंपनी के प्रमोटर हैं।उन्होंने प्रबंधन - व्यवसाय उद्यमिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की योग्यता प्राप्त की है। वस्त्र उद्योग में उनके पास 15 वर्षों का अनुकरणीय अनुभव और रणनीतिक नेतृत्व है। वे वर्तमान में विनोद स्पिनर्स प्राइवेट लिमिटेड, विनोद कॉटफैब प्राइवेट लिमिटेड, मंगल्य सॉफ्ट-टेक लिमिटेड, सिद्धयुग टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और विनोद टेक्सस्पिन एलएलपी में नामित भागीदार के रूप में कार्यरत हैं।

श्वेता यश मित्तल

40 वर्षीया श्वेता यश मित्तल विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड के बोर्ड में गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। उन्होंने वाणिज्य स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, जिससे उन्हें गहन चिंतन और रणनीतिक विश्लेषण में मजबूत आधार प्राप्त हुआ है। अपने पद पर वे अपनी विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि का उपयोग विनोद टेक्सवर्ल्ड लिमिटेड को निरंतर सफलता और विकास की ओर मार्गदर्शन करने में कर रही हैं।

IPO Date	9 to 11 Sep, 2026
Listing Date	Thu, Sep 17, 2026
Face Value	₹10 per share
Issue Price	₹94 per share
Lot Size	1,200 Shares
Sale Type	Fresh Issue Only
Issue Type	Fixed Price IPO
Listing At	NSE Emerge
Total Issue Size	45,56,400 shares (agg ₹42.83 Cr)
Reserved for Market Maker	2,28,000 shares (agg ₹2.14 Cr)
Fresh Issue (Ex Market Maker)	43,28,400 shares (agg ₹40.69 Cr)
Net Offered to Public	43,28,400 shares (agg ₹40.69 Cr)
Share Holding Pre Issue	1,16,01,200 shares
Share Holding Post Issue	1,61,57,600 shares

अल्पेक्स सोलर लिमिटेड 16 सितंबर को करेगा सोलर सेल निर्माण सुविधा का भव्य उद्घाटन

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

नई दिल्ली आधारित उच्च परिशुद्धता वाले सौर पीवी मॉड्यूल और सौर प्रणालियों के अग्रणी प्रदाता, अल्पेक्स सोलर लिमिटेड ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित कोसी कोटवान (विस्तार-2, औद्योगिक क्षेत्र, यूनिट ए-2/2) में अपनी नई 2.2GW G12R TOPCon सोलर सेल निर्माण सुविधा का भव्य उद्घाटन करने जा रही है। यह संयंत्र उत्तर प्रदेश की पहली TOPCon गीगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग लाइन है, जिसका उद्घाटन 16 सितंबर 2026, बुधवार को दोपहर 3:00 बजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) प्रह्लाद जोशी की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा। सौर ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कंपनी ने अपने भविष्य के रोडमैप को भी साझा किया है, जिसके तहत जून 2028 तक 2.5 GW की क्षमता वाले सोलर वेफर और इंगट प्लांट को स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

कारोबारी गतिविधियां: अल्पेक्स सोलर की स्थापना 1993 में पहली पीढ़ी के उद्यमियों अश्वनी सहगल, मोनिका सहगल और विपिन सहगल द्वारा की गई थी और यह मोनो स्टलाइन और पॉली स्टलाइन सेल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके पीवी मॉड्यूल बनाती है। इसके उत्पाद पोर्टफोलियो में बाइफेशियल, मोनो-पर्क और हाफकट सोलर पीवी मॉड्यूल शामिल हैं। यह सरफेस और सबमर्सिबल दोनों श्रेणियों में एसी/डीसी सोलर पंपों की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सहित व्यापक सौर ऊर्जा समाधान भी प्रदान करता है। ग्रेटर नोएडा स्थित कंपनी जैक्सन और टाटा पावर जैसी कई बड़ी कंपनियों के लिए अनुबंध निर्माता के रूप में भी काम कर रही है। इसके सोलर पैनल सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बीवीजी इंडिया लिमिटेड, टाटा पावर, हरेडा, पेडा और कई अन्य ईपीसी कंपनियों पर विशेष ध्यान देने के साथ वितरित किए जाते हैं। कंपनी ने 2007 में सोलर पैनल निर्माण में कदम रखा और ग्रेटर नोएडा में 150,000 वर्ग फुट में फैली एक अत्याधुनिक सुविधा का निर्माण किया। अल्पेक्स की क्षमता 848 मेगावाट है, जिसे आगे 2.4 गीगावॉट तक बढ़ाया जा सकता है। अपनी अनुसंधान एवं विकास क्षमता, विनिर्माण उत्कृष्टता और एक गहन प्रतिभा पूल के कारण, कंपनी पीवी पैनलों के पसंदीदा आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनकर उभरी है। कंपनी में 300 से अधिक कर्मचारी हैं - जिनमें सौर क्षेत्र के भीतर और बाहर के अनुभवी पेशेवर भी शामिल हैं। कंपनी एनएसई इमर्ज पर सूचीबद्ध है।

एनलोन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड को 2.20 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

मुंबई आधारित एनलोन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड एक विशेष इंजीनियरिंग समाधान कंपनी है और यह हवाईअड्डे, नगरपालिका और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के उपकरणों पर केंद्रित कंपनी है। कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी को एक ग्राहक कंपनी द्वारा क्रैश फायर टेंडर के लिए पांच विंडशील्ड ग्लास और दो ट्रांसमिशन कंट्रोलर टीडीईसी 501 के प्रतिस्थापन का ऑर्डर दिया गया है, जिसकी कीमत 2.20 करोड़ रुपए (जीएसटी, फ्रेट और बीमा शुल्क सहित) है।

कारोबारी गतिविधियां: 2015 में निगमित एनलोन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड विमानन, नगरपालिका और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए उन्नत इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करती है। कंपनी सुरक्षा और बुनियादी ढांचे के समाधानों में विशेषज्ञता रखती है, जो स्वदेशी विनिर्माण, रणनीतिक साझेदारी और नवाचार और गुणवत्ता पर मजबूत ध्यान केंद्रित करने द्वारा समर्थित हैं।

कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 26 के पहले पांच महीनों में 322.90 मिलियन टन कोयले की आपूर्ति की

Coal India Limited
A Government of India Undertaking
A Maharatna Company

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने वित्त वर्ष 26 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में 322.90 मिलियन टन (एमटी) कोयले की आपूर्ति की। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में आपूर्ति किए गए 302.60 एमटी से 6.70 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी कोयला मंत्रालय की ओर से शनिवार को दी गई। मंत्रालय ने बताया कि अगस्त में सीआईएल ने 60.60 मिलियन टन कोयले की आपूर्ति की है, जो पिछले वर्ष अगस्त की तुलना में 5.50 प्रतिशत अधिक है। अगस्त 2026 में विद्युत क्षेत्र को आपूर्ति भी अगस्त 2025 की तुलना में 4.5 प्रतिशत बढ़कर 48.46 मिलियन टन हो गई। सीआईएल के पास अपने खदानों में 76 मीट्रिक टन कोयले का भंडार है, साथ ही 46 मिलियन टन खनन के लिए तैयार कोयला भी मौजूद है। सितंबर के पहले तीन दिनों में विद्युत क्षेत्र को औसत दैनिक आपूर्ति लगभग 1.35 मिलियन टन थी, जो 4 सितंबर को बढ़कर 1.5 मिलियन टन हो गई। मंत्रालय के मुताबिक, बारिश कम होने से जमीनी स्तर पर राहत मिलने के बाद कोयले के उत्पादन और आपूर्ति में तेजी आ रही है और आगे इसमें और सुधार होने की संभावना है।

लंबे समय तक बारिश के संपर्क में रहने से चिपचिपी और गीली हो चुकी कोयले की परतें अब सूख रही हैं, जिससे ताजा खनन किया गया कोयला आसानी से बहने लगा है और कोयला प्रबंधन संयंत्रों (सीएचपी) के माध्यम से इसका हस्तांतरण, संचालन और वितरण काफी आसान हो गया है।

खदान की निचली परतों में डूबी हुई कोयले की परतों को पंपिंग बढ़ाकर फिर से उत्पादन में लाया जा रहा है, जबकि आंतरिक ढुलाई सड़कों की मरम्मत का काम पूरी तेजी से चल रहा है। बयान में आगे कहा गया कि शुष्क मौसम शुरू होने के साथ ही, डंप और बेंच की स्थिरता से संबंधित भू-तकनीकी चिंताएं और बारिश के दौरान बढ़ने वाले सुरक्षा जोखिम काफी हद तक कम हो गए हैं, जिससे कार्यबल बिना किसी बाधा के ग्राउंड जीरो पर काम कर पा रहा है। कोयले के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए, सीआईएल की सहायक कंपनियों ने इस कम मांग वाले समय का उपयोग अपने सीएचपी-साइलो तंत्र को बढ़ाने के लिए किया है, और शुष्क मौसम के आने के साथ ही लोडिंग पॉइंट और यार्ड पर रेल पटरियों को साफ किया जा रहा है। एनसीएल और एसईसीएल जैसी कंपनियों ने भी अतिरिक्त क्रशिंग क्षमता का निर्माण किया है जो निकट भविष्य में काफी उपयोगी साबित होगी।

सीआरएस टीएमटी बार में प्रवेश के माध्यम से ग्रोथ पथ पर अग्रसर रेतन टीएमटी लिमिटेड

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

अहमदाबाद आधारित टीएमटी बार्स और राउंड बार्स निर्माण एवं बिक्री करने वाली प्रमुख कंपनी रेतन टीएमटी लिमिटेड ने सूचित किया है कि कंपनी ने सीआरएस टीएमटी बार में प्रवेश के बारे में अपडेट जारी किया है। कंपनी वर्तमान में थर्मो-मैकेनिकल रूप से उपचारित (टीएमटी) बार, जिसमें FeSOO ग्रेड टीएमटी बार शामिल हैं, के निर्माण में लगी हुई है। कंपनी ने हाल ही में Fe500D, FeSSO और Fe550D ग्रेड थर्मो-मैकेनिकल रूप से उपचारित (टीएमटी) बार के निर्माण के लिए आवश्यक भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) लाइसेंस प्राप्त किया है, जिससे इसके उत्पाद पोर्टफोलियो को और मजबूती मिली है।

Rhetan TMT
SYMBOL OF STRENGTH

सीआरएस टीएमटी बार में प्रवेश - एक नया विकास अवसर

अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में विविधता लाने और नए बाजार अवसरों का लाभ उठाने की रणनीति के तहत, कंपनी ने संक्षारण प्रतिरोधी इस्पात (सीआरएस) टीएमटी बार के निर्माण की संभावनाओं का पता लगाने का अवसर पहचाना है। यह एक विशेष मूल्यवर्धित उत्पाद है जिसे संक्षारण के प्रति बेहतर प्रतिरोध प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सीआरएस टीएमटी बार विशेष रूप से तटीय, समुद्री और अन्य संक्षारक वातावरणों में उपयोग के लिए उपयुक्त हैं, जिनमें बुनियादी ढांचा और निर्माण परियोजनाएं शामिल हैं जहां बेहतर स्थायित्व और लंबी सेवा जीवन महत्वपूर्ण विचारणीय बिंदु हैं। कंपनी प्रबंधन के अनुसार सीआरएस टीएमटी बार्स सेगमेंट में प्रस्तावित प्रवेश कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास अवसर साबित होने की उम्मीद है।

इससे कंपनी को पर्याप्त क्षमता वाले एक नए और विशिष्ट बाजार में प्रवेश करने, अपने ग्राहक आधार को बढ़ाने और अपने लक्षित बाजार का पर्याप्त विस्तार करने में मदद मिलेगी। इस मूल्यवर्धित उत्पाद के जुड़ने से व्यापार विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे, बिक्री की मात्रा बढ़ेगी, राजस्व क्षमता में वृद्धि होगी, साथ ही कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी।

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक बढ़ाने की आरबीआई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सरकारी स्वामित्व वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आईसीआईसीआई बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में कुल 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी निजी क्षेत्र के बैंक की ओर से शनिवार को दी गई।

आईसीआईसीआई बैंक ने बताया कि उसे आरबीआई की ओर से 4 सितंबर को जारी मंजूरी पत्र की प्रति उसी दिन रात 9:09 बजे प्राप्त हुई। इसके तहत एलआईसी मंजूरी प्राप्ति की तारीख से एक वर्ष के भीतर आईसीआईसीआई बैंक में यह हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। अगर इस अवधि में हिस्सेदारी नहीं खरीदी गई तो यह मंजूरी स्वतः रद्द हो जाएगी। हालांकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के अधीन है। इनमें लागू वैधानिक और नियामकीय प्रावधानों का पालन करना भी शामिल है। बैंक ने स्पष्ट किया कि आरबीआई की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि एलआईसी ने तुरंत आईसीआईसीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत कर ली है। एलआईसी द्वारा की जाने वाली कोई भी हिस्सेदारी खरीद आरबीआई द्वारा निर्धारित शर्तों और अन्य लागू नियामकीय नियमों के अनुसार ही होगी।

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

इससे पहले पिछले महीने आरबीआई ने एलआईसी को एचडीएफसी बैंक की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग राइट्स में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी थी। निजी बैंक ने बताया था कि 14 अगस्त तक एचडीएफसी बैंक की कुल शेयर पूंजी में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.11 प्रतिशत थी। आईसीआईसीआई बैंक के लिए मिली यह मंजूरी एलआईसी को निजी क्षेत्र के इस बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सुविधा देती है, हालांकि इसके लिए सभी लागू नियामकीय और वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा।

अदाणी डिफेंस और इंडो-रशियन राइफल्स ने एके-203 असॉल्ट राइफल के लिए 5 साल तक गोलियों की आपूर्ति का समझौता किया

नई दिल्ली | एजेंसी

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में एके-203 असॉल्ट राइफलों का निर्माण करने वाले भारत-रूस के संयुक्त उद्यम इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) के साथ स्वदेशी 7.62×39 एमएम छोटे कैलिबर की गोलियों की आपूर्ति के लिए पांच साल का समझौता किया है। इस समझौते के तहत, अदाणी डिफेंस पांच साल तक एके-203 के लिए 7.62×39 एमएम गोलियों की आपूर्ति करेगी। इस एग्रीमेंट से प्रोग्राम के लिए जरूरी गोलियों की आपूर्ति का एक भारतीय स्रोत मिलता है और कॉन्ट्रैक्ट की अवधि के दौरान आपूर्ति जारी रखने में मदद मिलती है।

यह समझौता आईआरआरपीएल द्वारा एके-203 राइफल के प्रोडक्शन और अदाणी डिफेंस द्वारा गोलियों के प्रोडक्शन को एक साथ लाता है, जिससे भारत में एक इंटीग्रेटेड आपूर्ति चेन बनती है। यह छोटे हथियारों की सप्लाई चेन में घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करता है और रक्षा निर्माण में 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को सपोर्ट करता है।

आईआरआरपीएल को 2019 में भारत और रूस के बीच हुए एक सरकारी समझौते के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफल बनाने के लिए बनाया गया था। इसकी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट उत्तर प्रदेश के अमेठी में कोरवा में स्थित है।

इस जॉइंट वेंचर में भारतीय शेयरहोल्डर के तौर पर 'एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड' और 'म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड' शामिल हैं, साथ ही रूसी शेयरहोल्डर के तौर पर 'कंसर्न कलाश्निकोव' और 'रोसोबोरोनएक्सपोर्ट' भी शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2021 में आईआरआरपीएल के साथ 6,01,427 एके-203 राइफलों के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया था और इन राइफलों का उत्पादन कोरवा में किया जाना है।

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में छोटे कैलिबर वाली गोलियों के लिए मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं स्थापित की हैं, जिसमें कानपुर में एक यूनिट भी शामिल है जहां छोटे कैलिबर वाली गोलियां का उत्पादन किया जा सकता है। जुलाई में, अदाणी डिफेंस और डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने भारत के अगली पीढ़ी के एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यूएंडसी) प्रोग्राम, एईडब्ल्यूएंडसी-एमकेढ्ढढ्ढ के लिए एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस प्रोग्राम के तहत अदाणी डिफेंस पहली ऐसी निजी भारतीय कंपनी बन गई है जिसे इतने बड़े पैमाने और जटिलता वाले एयरबोर्न मिशन प्लेटफॉर्म के विकास, इंटीग्रेशन और लाइफसाइकिल सपोर्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अदाणी डिफेंस और डीआरडीओ मिलकर आईएएफ के लिए छह मॉडिफाइड एयरबस ए321 विमानों पर एयरबोर्न मिशन सिस्टम विकसित, निर्मित और इंटीग्रेट करेंगे। इस प्रोग्राम में इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स, मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल (एमआरओ) और 30 साल तक टेक्निकल सपोर्ट भी शामिल है।

जयपुर में 17 से 19 सितंबर तक होगा राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) का आयोजन

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एवं एफएचटीआर और जेएचएआरए के प्रतिनिधिमंडल ने आगामी राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) और मारवाड़ ट्रैवल मार्ट (एमटीएम) के पोस्टर का जोधपुर में विमोचन किया।

आरडीटीएम का आयोजन जयपुर में 17 से 19 सितंबर 2026 तक, जबकि पहला मारवाड़ ट्रैवल मार्ट (एमटीएम) जोधपुर में 20 से 22 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर एफएचटीआर अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, महासचिव तरुण बंसल, कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह जोधा, जेएचएआरए अध्यक्ष एवं मारवाड़ ट्रैवल मार्ट के चेयरमैन जे.एम. बूब, टीएएजे अध्यक्ष गजराज सिंह, जेएचएआरए उपाध्यक्ष जुगल जाखड़, जेएचएआरए सचिव राजेश सिंघवी और आईएचएचए के रघुवेंद्र झालामंद भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर शेखावत ने एफएचटीआर टीम को इस पहल के लिए शुभकामनाएं दीं। जिसका उद्देश्य राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत लोक परंपराओं और विविध पर्यटन अनुभवों को देश-विदेश के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत करना है। श्री शाहपुरा ने कहा कि ट्रैवल मार्ट स्थानीय पर्यटन हितधारकों और व्यवसायों को मंच प्रदान करेगा, रोजगार के अवसर सृजित करेगा और क्षेत्र के स्वदेशी उत्पादों और अनुभवों को बढ़ावा देकर 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को मजबूत करेगा। आरडीटीएम और एमटीएम दोनों का आयोजन एफएचटीआर द्वारा राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। इनके आयोजन में होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान , राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) और जोधपुर होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन (जेएचएआरए) सहित विभिन्न हितधारक संगठन भी सहयोग कर रहे हैं।

बेल्जियम पीएम बार्ट डी वेवर ने भारत डायमंड बोर्स का दौरा किया

मुंबई | एजेंसी

भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) ने पूरे भारतीय हीरा उद्योग की ओर से बीकेसी, मुंबई स्थित बोर्स में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर और उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। यह दोनों देशों के हीरा उद्योगों के बीच 100 साल से अधिक पुरानी साझेदारी में एक ऐतिहासिक नया मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला मौका है जब बेल्जियम सरकार के प्रमुख ने दुनिया के सबसे बड़े ऑपरेशनल डायमंड बोर्स का दौरा किया है।

यह दौरा इसलिए भी और महत्वपूर्ण हो गया क्योंकि यह भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हुआ है, जिसने दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से हीरा और आभूषण क्षेत्रों में, संबंधों और सहयोग को गहरा करने का मार्ग प्रशस्त किया है। औद्योगिक नेताओं ने कहा कि हीरा वैल्यू चेन में अपनी-अपनी अनूठी स्थिति वाले इन दोनों केंद्रों के बीच आज की यह बातचीत एक नए अध्याय की शुरुआत है। दोनों पक्षों ने उद्योग की अखंडता को मजबूत करने, हीरा व्यापार में विश्वास को बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी रूप से बढ़ता रहे, में सहयोग करने और साझा जिम्मेदारी निभाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

भारत और बेल्जियम के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर देते हुए, बीडीबी के अध्यक्ष अनूप मेहता ने कहा कि दोनों देश एक व्यापारिक साझेदारी से कहीं अधिक साझा करते हैं, क्योंकि कई भारतीय हीरा व्यापारी, विशेष रूप से गुजरात के, एंटवर्प को अपना घर बना चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब बीडीबी की योजना बन रही थी, तो एक टीम ने एंटवर्प का दौरा किया और वहां से सबक और प्रेरणा ली, जिसने मुंबई में एक वास्तविक अंतरराष्ट्रीय हीरा व्यापार केंद्र बनाने में उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने आगे कहा कि बीडीबी के उपाध्यक्ष मेहुल शाह वर्तमान में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायमंड बोर्सेज के अध्यक्ष हैं, जो 1947 से व्यापार की वैश्विक शीर्ष संस्था है और जिसका मुख्यालय एंटवर्प में है। भविष्य को लेकर अनूप मेहता ने कहा, 'दुनिया तेजी से बदल रही है, और हमारे उद्योग को साझेदारी में अनुकूलन करना होगा। हमारा साझा उद्देश्य एक ऐसा हीरा व्यापार बनाना होना चाहिए जो न केवल समृद्ध हो, बल्कि निष्पक्ष, पारदर्शी और टिकाऊ भी हो।'

जीजेईपीसी के चेयरमैन किरिट भंसाली ने कहा कि उद्योग को बेल्जियम के प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है, ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका उद्योग के भविष्य को आकार देने में मदद कर रही है। आपसी समृद्धि के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए भंसाली ने कहा कि 2025-26 में रत्न और आभूषण क्षेत्र में भारत-बेल्जियम व्यापार लगभग 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था, और भारत में कट और पॉलिश किए गए लाखों हीरों में से कई की यात्रा एंटवर्प से होकर गुजरती है। उन्होंने कहा, कि ये केवल आंकड़े नहीं हैं। ये व्यवसायों, आजीविकाओं और भारत भर में परिवारों का भरण-पोषण करने वाली पांच मिलियन से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो सभी इस वैश्विक वैल्यू चेन में बुने हुए हैं। भारत डायमंड बोर्स दुनिया के सबसे बड़े हीरा व्यापार केंद्रों में से एक है और भारत के वैश्विक हीरा व्यापार का एक प्रमुख केंद्र है। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), मुंबई में स्थित, बीडीबी प्रमुख हीरा निर्माताओं, व्यापारियों, आयातकों, निर्यातकों और उद्योग सेवा प्रदाताओं को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुरक्षित व्यावसायिक सुविधाओं के साथ एक ही छत के नीचे एक साथ लाता है।

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित 5 शिक्षकों सहित 16 शिक्षाविद सेठ तोलाराम बाफना मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित

बीकानेर |बिज़नेस रेमेडीज

शिक्षक दिवस के अवसर पर बाफना स्कूल में आयोजित भव्य समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले देश के विभिन्न हिस्सों से आए 16 विशिष्ट शिक्षाविदों को सेठ तोलाराम बाफना मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकों में 5 ऐसे सरकारी शिक्षक शामिल रहे, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा प्रतिष्ठित विद्यालयों से जुड़े 11 शिक्षकों को भी उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनमें बिड़ला स्कूल- पिलानी, मयूर स्कूल-जयपुर, सोफिया स्कूल, बीबीएस, आर्मी पब्लिक स्कूल, एमकेडी, फ्लोरिश सहित अन्य प्रतिष्ठित विद्यालयों के शिक्षक शामिल रहे।

समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सम्मानित शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित शिक्षकों से संवाद किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की बाफना स्कूल की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेठ तोलाराम बाफना मेमोरियल अवॉर्ड शिक्षकों के योगदान को पहचान और सम्मान देने की महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध टेलीविजन पत्रकार, लेखक एवं एंकर श्री संजीव पालीवाल ने शिक्षा में बदलते समय की आवश्यकताओं, शिक्षण पद्धति और राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में वास्तविक बदलाव केवल नीतियों और चर्चाओं से नहीं, बल्कि कक्षा में शिक्षक के पढ़ाने के तरीके से आता है। किसी भी देश की प्रगति का वास्तविक आधार इस बात में निहित है कि कक्षा में शिक्षक विद्यार्थियों को क्या और किस प्रकार सिखा रहा है।

भारतीय घुड़सवार निहारिका सिंघानिया ने ब्रसेल्स स्टीपेक्स मास्टर्स में शानदार परफॉर्मेंस दी

मुंबई | बिज़नेस रेमेडीज

ऐसे खेल में जहां ऐतिहासिक रूप से पुरुष खिलाड़ियों का दबदबा रहा है, 19 वर्षीय भारतीय घुड़सवार निहारिका सिंघानिया यह साबित कर रही हैं कि प्रतिभा, दृष्टि और कौशल पारंपरिक सीमाओं से परे हैं। निहारिका ने पिछले वर्ष अपने रिकॉर्ड में दो बड़े अंतरराष्ट्रय सम्मान जोड़ने के बाद बेल्जियम में आयोजित ब्रसेल्स स्टेपेक्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन किया। निहारिका ने एशियन गेम्स पार्टनर फर्स्ट टू कैश आउट के साथ 1.45 मीटर के कोर्स का पहला राउंड बिना किसी फॉल्ट के पूरा किया और जंप-ऑफ में जगह बनाई। जंप-ऑफ में उन्होंने 43.65 सेकंड का समय लिया और आठ फॉल्ट के साथ छठा स्थान हासिल किया।

कोयला गैसीकरण योजना के तहत कोई आवेदन न मिलने की रिपोर्ट्स को कोयला मंत्रालय ने किया खारिज

नई दिल्ली | बिज़नेस रेमेडीज

कोयला मंत्रालय ने शनिवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि 37,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण योजना को कोई आवेदन नहीं मिला है।

मंत्रालय ने बताया कि तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और एनटीपीसी लिमिटेड ने ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपने-अपने आवेदन पहले ही जमा कर दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय उन अन्य संभावित आवेदकों के संपर्क में भी है जो प्रोजेक्ट की तैयारी और आवेदन को अंतिम रूप देने के अलग-अलग चरणों में हैं। पहले राउंड के लिए आवेदन जमा करने की समय-सीमा 7 सितंबर, 2026 है। बयान में आगे कहा गया कि जब तक एप्लीकेशन विंडो बंद नहीं हो जाती, तब तक पहले राउंड में मिली एप्लीकेशन की संख्या का पक्के तौर पर आकलन या ब्योरा नहीं दिया जा सकता और मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि उससे पहले किया गया कोई भी आकलन अधूरा या अनिर्णायक होगा। इसके अलावा, कई और आवेदक प्रोजेक्ट की तैयारी के अलग-अलग चरणों में हैं। इस स्कीम का रोलिंग, मल्टी-राउंड एप्लीकेशन डिजाइन नए आवेदकों को बाद के राउंड में आवेदन करने की सुविधा देता है। ये राउंड हर विंडो के बंद होने के अगले दिन खुलते हैं और दो महीने तक खुले रहते हैं। इस स्कीम के तहत सोचे गए प्रोजेक्ट्स का दायरा बड़ा और जटिल है, इसलिए आवेदकों को काफी तैयारी करनी पड़ती है। इसमें प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करना, टेक्नोलॉजी के विकल्पों का आकलन करना, कोयला/लिग्नाइट और दूसरे फीडस्टॉक के इंतजाम की पहचान करना, प्रोजेक्ट की आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना और प्रोजेक्ट के विस्तृत प्रस्ताव तैयार करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि जैसे-जैसे डेडलाइन पास आएगी और आवेदक अपने प्रस्तावों को अंतिम रूप देकर जमा कर सकते हैं। मंत्रालय ने भरोसा जताया है कि इस स्कीम में इंडस्ट्री की तरफ से अच्छी भागीदारी होगी और इससे लगभग 25 प्रोजेक्ट्स में 2.5 लाख करोड़ रुपए से 3 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आएगा। साथ ही, इससे करीब 50,000 लोगों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के मौके मिलेंगे। यह स्कीम सरकार के 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीफिकेशन क्षमता हासिल करने के बड़े लक्ष्य को पूरा करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

"प्रारूप संख्या INC-26"
[कंपनी (निगमन) द्वितीय संशोधन नियम, 2014 के नियम 30(5)(क) के अनुसार]
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के संबंध में समाचार-पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन केंद्रीय सरकार के समक्ष, उत्तरी क्षेत्र, राजस्थान
विषय: कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उप-धारा (4) तथा कंपनी (निगमन) द्वितीय संशोधन नियम, 2017 के नियम 30 की उप-नियम (5) के खंड (क) के प्रावधानों के अंतर्गत
और एस. पी. कुनवार्स होटल प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U55101RJ2023PTC087754) के सन्दर्भ में
जिसका पंजीकृत कार्यालय 147, गुरु जंभेश्वर नगर, ए, गांधी पथ,
वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान- 302021 में स्थित है। ..... याचिकाकर्ता
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अंतर्गत केंद्रीय सरकार के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव रखती है, जिसमें कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में संशोधन की हेतु अनुशोध किया जाएगा। यह परिवर्तन दिनांक 1 सितंबर, 2026 को आयोजित असाधारण आम बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के अनुसार किया जाना है, ताकि कंपनी अपने पंजीकृत कार्यालय को "राजस्थान राज्य" से "पश्चिम बंगाल राज्य" में स्थानांतरित कर सके। कोई भी व्यक्ति, जिसके हित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित परिवर्तन से प्रभावित होने की संभावना है, वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से चौदह दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां, अपने हित की प्रकृति एवं आपत्ति के आधारों को दर्शाने वाले शपथ-पत्र सहित, MCA-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर निवेशक शिकायत प्रपत्र दाखिल करके प्रस्तुत कर सकता है अथवा पंजीकृत डाक द्वारा क्षेत्रीय निदेशक को निम्नलिखित पते पर भेज सकता है: क्षेत्रीय निदेशक ROC भवन,रूपल पार्क सोसाइटी के सामने, अंकुर बस स्टॉप के पीछे, नारणपुरा, अहमदाबाद- 380013, गुजरात, उक्त आपत्ति की एक प्रति आवेदक कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के निम्नलिखित पते पर भी भेजी जानी है: एस. पी. कुनवार्स होटल प्राइवेट लिमिटेड 147, गुरु जंभेश्वर नगर, ए, गांधी पथ, वैशाली नगर, राजस्थान- 302021
एस. पी. कुनवार्स होटल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से एवं उसके लिए
हस्ताक्षरित/-
संजय कुमार
निदेशक
दिनांक: 06 सितंबर, 2026
स्थान: जयपुर
डीआईएन: 01524619

एआईके पाइप्स एंड पॉलिमर्स लिमिटेड

सीआईएन: L25209RJ2017PLC059111

पंजीकृत कार्यालय: ऑफिस नं. 506, 5वां तल, एलिमेंट्स मॉल, अजमेर रोड, वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान 302021, फोन नं.: +91 6375005570

वेबसाइट: www.aikpipes.com, ई-मेल आईडी: info@aikpipes.com

शेयरधारकों को 09वीं वार्षिक आम बैठक तथा ई-वोटिंग की सूचना

सूचना दी जाती है कि एआईके पाइप्स एंड पॉलिमर्स लिमिटेड के सदस्यों की 09वीं वार्षिक आम बैठक ('एजीएम') बुधवार, 30 सितम्बर, 2026 को दोपहर 01:00 बजे (भारतीय मानक समय) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ('वीसी')/अन्य ऑडियो-विज़ुअल माध्यम ('ओएवीएम') के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिसमें एजीएम की सूचना में निर्धारित व्यवसाय का लेन-देन किया जाएगा।

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ('एमसीए') द्वारा इस संबंध में जारी सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल, 2020 तथा उसके बाद जारी परिपत्रों, जिनमें नवीनतम परिपत्र संख्या 09/2024 दिनांक 19 सितम्बर, 2024 भी शामिल है, तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ('सेबी') द्वारा जारी परिपत्र संख्या SEBI/HO/CFD/CFDPoD-2/P/CIR/2024/133 दिनांक 3 अक्टूबर, 2024 के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 09वीं एजीएम की सूचना उन सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेज दी गई है जिनके ई-मेल पते कंपनी, रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट ('आरटीए') अथवा डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट(ह्य) ('डीपीं') के पास पंजीकृत हैं।

एजीएम की सूचना और सदस्यों को वार्षिक रिपोर्ट का इलेक्ट्रॉनिक प्रेषण 05 सितम्बर, 2026 को पूर्ण किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ('लिस्टिंग विनियम') के विनियम 36(1)(b) के अनुसार, कंपनी उन शेयरधारकों को पत्र भी भेज रही है जिनके ई-मेल पते कंपनी/आरटीए/डीपी के पास पंजीकृत नहीं हैं। उक्त पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 की पूर्ण वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध होने का वेब-लिंक (जिसमें सटीक पथ भी शामिल है) प्रदान किया गया है।

09वीं एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट की प्रति कंपनी की वेबसाइट www.aikpipes.com पर उपलब्ध भी है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20, यथासंशोधित, और लिस्टिंग विनियमों के विनियम 44 के अनुपालन में, सदस्यों को नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ('एनएसडीएल') द्वारा उपलब्ध कराई गई ई-वोटिंग सुविधा के माध्यम से एजीएम की सूचना में वर्णित सभी प्रस्तावों पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई है।

सदस्यों के मतदान अधिकार कंपनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी में उनकी शेयरधारिता के अनुपात में होंगे, जैसा कि बुधवार, 23 सितम्बर, 2026 ('कट-ऑफ तिथि') को है।

रिमोट ई-वोटिंग अवधि शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2026 को प्रातः 10:00 बजे (भारतीय मानक समय) प्रारंभ होगी और शुक्रवार, 29 सितम्बर, 2026 को सायं 5:00 बजे (भारतीय मानक समय) समाप्त होगी। इस अवधि के दौरान सदस्य इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना मत दे सकते हैं। इसके बाद ई-वोटिंग सेवा प्रदाता द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

वे सदस्य जो वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से एजीएम में उपस्थित हैं और जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना मत नहीं दिया है तथा जो ऐसा करने से प्रतिबंधित नहीं हैं, वे एजीएम के दौरान ई-वोटिंग सुविधा के माध्यम से मतदान करने के पात्र होंगे।

जिन सदस्यों ने एजीएम से पूर्व रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना मत दे दिया है, वे वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से एजीएम में उपस्थित और भाग ले सकते हैं, किंतु वे पुनः मतदान करने के पात्र नहीं होंगे।

कोई भी व्यक्ति जो कंपनी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप से सूचना भेजे जाने के बाद कंपनी के शेयर प्राप्त करता है और कट-ऑफ तिथि पर कंपनी का सदस्य बन जाता है, वह evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। तथापि, यदि ऐसा सदस्य पहले से एनएसडीएल की ई-वोटिंग प्रणाली पर पंजीकृत है, तो वह मतदान हेतु अपने मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है।

रिमोट ई-वोटिंग से संबंधित विवरण हेतु सदस्यों से अनुरोध है कि वे एजीएम की सूचना देखें। ई-वोटिंग से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए सदस्य, नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ('एनएसडीएल') की वेबसाइट पर उपलब्ध सदस्यों हेतु अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न ('एफएक्यू') और ई-वोटिंग यूजर मैनुअल देख सकते हैं अथवा 022 - 4886 7000 पर संपर्क कर सकते हैं या evoting@nsdl.com पर लिख सकते हैं।

09वीं एजीएम का विवरण, जिसमें एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट शामिल है, कंपनी की वेबसाइट www.aikpipes.com तथा बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर उपलब्ध है।

एआईके पाइप्स एंड पॉलिमर्स लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षरित/-
हर्षा शिवनानी
कंपनी सचिव

स्थान: जयपुर
दिनांक: 05.09.2026

विऔपनिवेशीकरण का मतलब व्यापक अभिलेखागार, अधिक भाषाएं और कठिन सवाल होना चाहिए : वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत अब आत्मविश्वास से भरा हुआ है और अपनी विरासत का अध्ययन करने एवं उसे समझने के लिए किसी और की अनुमति का इंतजार नहीं करता है। साथ ही, उन्होंने देश के बौद्धिक इतिहास को समझने के लिए अधिक व्यापक और कठोर दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय राजधानी में एफआईएचसीआर वार्षिक इतिहास पुरस्कार समारोह और डॉ. एसएल भैरप्पा स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत अपने शिलालेखों का फिर से अध्ययन कर रहा है, अपने समुद्री व्यापार के इतिहास को समझ रहा है और गणित के क्षेत्र में अपने योगदान की ओर लौट रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह प्रक्रिया ही विऔपनिवेशीकरण का सार होनी चाहिए, जिसका मतलब केवल एक निर्धारित पाठ्यपुस्तक को दूसरी पाठ्यपुस्तक से बदल देना नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, कि इसका मतलब व्यापक अभिलेखागार, अधिक भाषाएं, कठिन सवाल और ऐसे विद्वानों का कहीं बड़ा दायरा होना चाहिए, जिनकी बात वास्तव में सुनी जाए। कन्नड़ लेखक और विचारक डॉ. एसएल भैरप्पा के योगदान पर विचार करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी अपने अनुयायियों की सेना खड़ी करने की कोशिश नहीं की, बल्कि इस बात पर ध्यान दिया कि इंसान सत्य को देखने और समझने के अपने तरीके को कैसे बेहतर बना सकता है।

भैरप्पा के दार्शनिक विचार 'सत्य मत्तु सौंदर्य', जिसका अर्थ सत्य और सुंदरता है, का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत जैसी प्राचीन सभ्यता के लिए बौद्धिक खोज और चिंतन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने इस प्रक्रिया को 'बौद्धिक स्वराज का एक कार्य' बताया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता ने भारतीयों को स्वयं शासन करने का अधिकार दिया, जबकि बौद्धिक स्वतंत्रता उन्हें खुद को जानने का अधिकार देगी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह सार्थक है कि भारत डॉ. एसएल भैरप्पा का सम्मान कर रहा है। उनकी डॉक्टरेट थीसिस का शीर्षक 'सत्य मत्तु सौंदर्य' ही उनके पूरे जीवन की दिशा को परिभाषित करता था। उन्होंने कहा कि इस मंथन को जारी रहने दें और प्रमाण, कठोरता तथा अंतरात्मा को अंतिम निर्णय देने दें। उन्होंने कहा कि भारत को सामूहिक रूप से 'बौद्धिक स्वराज के स्वर्णिम युग' की ओर बढ़ना चाहिए।

कुशवाहा समाज समिति की वार्षिक गोठ का आयोजन आज

जयपुर|बिज़नेस रेमेडीज। कुशवाहा समाज समिति की वार्षिक गोठ का आयोजन रविवार 6 सितम्बर को किया जा रहा है। मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि समाज की वार्षिक गोठ का आयोजन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर, आर टी ओ ऑफिस के पीछे, विद्याधर नगर में आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर अध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने समस्त कुशवाहा परिवार के सदस्यों से ज्यादा से ज्यादा उपस्थित होकर गोठ के आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने की बात कही है।

तमिलनाडु के होलसेल और रिटेल ज्वेलरी कारोबार में कार्यरत अनुभवी कंपनी है 'मनोज ज्वेलर्स लिमिटेड'

राइट्स इश्यू के जरिए 1,797.13 लाख रुपए जुटा रही है कंपनी, निवेशक 29 सितंबर 2026 तक कर सकेंगे आवेदन

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

चेन्नई आधारित मनोज ज्वेलर्स लिमिटेड' तमिलनाडु के होलसेल और रिटेल ज्वेलरी कारोबार में कार्यरत अनुभवी कंपनी है। कंपनी द्वारा राइट्स इश्यू के जरिए 1,797.13 लाख रुपए जुटाए जा रहे हैं। बिजनेस रेमेडीज की टीम ने राइट्स इश्यू के प्रोस्पेक्ट्स से कंपनी की कारोबारी गतिविधियां, वित्तीय प्रदर्शन, प्रवर्तकों का अनुभव, विवरण , राइट्स इश्यू के मायने जैसे विषयों पर जानकारी हासिल की है। जानकारी के संपादित अंश प्रस्तुत हैं।

कारोबारी गतिविधियां: मूल रूप से 2007 में निगमित और 2022 में एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित, मनोज ज्वेलर्स लिमिटेड सोने, हीरे और चांदी से बने आभूषणों और गहनों का होलसेल और रिटेल व्यापार करती है, जिनमें कीमती और अर्ध-कीमती पत्थरों का अलंकरण होता है। कंपनी के पोर्टफोलियो में सोने के आभूषण, कुंदन के आभूषण, हीरे के आभूषण, सोने की सिल्लियां, सोने के सिक्के और चांदी के आभूषण शामिल हैं, जिनकी होलसेल और रिटेल बिक्री चेन्नई (सौकारपेट और किलपॉक) में स्थित दो शोरूम के माध्यम से की जाती है। सभी उत्पादों पर बीआईएस द्वारा मान्यता प्राप्त परख और हॉलमार्किंग केंद्र का हॉलमार्क लगा होता है।

कंपनी के इक्विटी शेयर 12 मई, 2025 से बीएसई लिमिटेड (एसएमई) प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं। जनवरी 2026 में कंपनी ने अपने थंगा कोविल कलेक्शन के लाइटवेट मंदिर आभूषणों को लॉन्च किया, जिनका वजन पारंपरिक आभूषणों की तुलना में 80 फीसदी तक कम है और इसने अपने नए उत्पाद के लिए 'थंगा कोविल कलेक्शंस' और 'स्वर्नोरा' शब्द चिह्न के ट्रेडमार्क पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। कंपनी के उत्पादों में 1 ग्राम से लेकर 80 ग्राम तक के आभूषण शामिल हैं। वर्तमान में चेन्नई के सोकार्पेट और किलपॉक में दो शानदार शोरूम के जरिए कारोबार कर रही कंपनी शुद्ध सोने, कुंदन, हीरे और चांदी के आभूषणों के रिटेल और होलसेल बिजनेस में बड़ा नाम है। कीमतों में उतार-चढ़ाव की जोखिम से बचने के लिए कंपनी लंबे अनुभव का फायदा उठाते हुए ऑर्डर के अनुसार सोने और चांदी की इन्वेंटरी रखती है।

वित्तीय प्रदर्शन: वित्तीय मोर्चे पर मनोज ज्वेलर्स लिमिटेड ने पिछले एक साल में बेहद शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का परिचालन से राजस्व 5,961.81 लाख रुपए था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 91.5 फीसदी की भारी बढ़त के साथ 11,416.12 लाख रुपए पर पहुंच गया। इसी अवधि के दौरान कंपनी का कर पश्चात शुद्ध लाभ भी 476.49 लाख रुपए से लगभग दोगुना होकर 902.36 लाख रुपए दर्ज किया गया, जिससे कंपनी की प्रति शेयर आय ईपीएस 7.96 से बढ़कर 10.40 रुपए हो गई है। कंपनी की प्रति शेयर नेट एसेट वैल्यू 24.28 रुपए से बढ़कर 43.25 रुपए पर पहुंच गई है। कंपनी की इस मजबूत वित्तीय स्थिति और केयर रेटिंग्स लिमिटेड जैसी स्वतंत्र एजेंसी की निगरानी के चलते बाजार विशेषज्ञ इस राइट्स इश्यू को कंपनी के भविष्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं।

राइट्स इश्यू का विवरण: मनोज ज्वेलर्स लिमिटेड ने अपने बिजनेस विस्तार और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज पर 1,797.13 लाख रुपए के राइट्स इश्यू की घोषणा की है। बीएसई लिमिटेड (एसएमई) प्लेटफॉर्म पर लिस्टेड चेन्नई की इस प्रमुख ज्वेलरी कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए 1:1 के अनुपात में राइट्स एंटाइटेलमेंट तय किया है, यानी रिकॉर्ड डेट तक निवेशकों के पास मौजूद हर एक शेयर पर वे एक नया शेयर खरीद सकेंगे। इस इश्यू के तहत 10 रुपए प्रति शेयर की फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों को 10 रुपए के प्रीमियम के साथ 20 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर जारी किया जा रहा है। कंपनी द्वारा जारी टाइमलाइन के अनुसार, इस राइट्स इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट 21 अगस्त 2026 तय की गई थी, जबकि निवेश के लिए यह इश्यू 31 अगस्त 2026 से खुल चुका है और निवेशक 29 सितंबर 2026 तक इसमें आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद शेयरों का अलॉटमेंट 30 सितंबर को होगा और नए शेयरों की लिस्टिंग 05 अक्टूबर 2026 को की जाएगी। कंपनी इस राइट्स इश्यू से जुटने वाली रकम का एक बड़ा हिस्सा अपने रोजमर्रा के कारोबारी खर्चों और वर्किंग कैपिटल की आवश्यकताओं को पूरा करने में इस्तेमाल करेगी।

वित्तीय दस्तावेजों के अनुसार, कुल राशि में से 1,353.23 लाख रुपए वर्किंग कैपिटल के लिए निर्धारित किए गए हैं, जबकि 400 लाख रुपए सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और 43.90 लाख रुपए इश्यू से जुड़े खर्चों के लिए उपयोग किए जाएंगे। इसके अलावा, कंपनी के प्रवर्तकों ने पुष्टि की है कि वे इस इश्यू में अपने राइट्स एंटाइटलमेंट के 17 प्रतिशत तक सब्सक्राइब करेंगे। राइट्स इश्यू के कम सब्सक्राइब होने की स्थिति में, वे कुल इश्यू आकार के न्यूनतम 90 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मानदंड को पूरा करने के लिए आवश्यक सीमा तक अनसब्सक्राइब्ड हिस्से को सब्सक्राइब करेंगे। हालांकि, इसके बाद भी प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह की कुल शेयरधारिता, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 और SEBI LODR विनियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता आवश्यकताओं के अनुरूप बनी रहनी चाहिए।

नोट: यह लेख निवेश सलाह नहीं है।

प्रवर्तको का अनुभव

मनोज कुमार

51 वर्षीय मनोज कुमार कंपनी के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक हैं। उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि में 1992 में मद्रास के सरकारी परीक्षा विभाग से माध्यमिक शिक्षा उत्तीर्ण करना शामिल है। वे कंपनी की स्थापना से ही इससे जुड़े हुए हैं और 16 जुलाई, 2022 से 5 वर्षों के कार्यकाल के लिए प्रबंध निदेशक के पद पर आसीन हैं। उन्हें आभूषण व्यवसाय में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वर्तमान में, वे कंपनी के समग्र प्रबंधन और विपणन गतिविधियों की देखरेख करते हैं, जो कंपनी की रणनीतिक दिशा और परिचालन पहलुओं को निर्देशित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

सुनील शांतिलाल

43 वर्षीय सुनील शांतिलाल कंपनी के प्रमोटर, निदेशक और सीएफओ हैं। उन्होंने 1999 में चेन्नई स्थित सरकारी परीक्षा विभाग के मैट्रिकुलेशन बोर्ड से माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की है। वे कंपनी की स्थापना से ही बोर्ड के सदस्य हैं और आभूषण व्यवसाय में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हैं। वर्तमान में वे कंपनी के समग्र वित्तीय प्रबंधन, दैनिक गतिविधियों और परिचालन के लिए जिम्मेदार हैं।

Open Date	Mon, Aug 31, 2026
Close Date	Tue, Sep 29, 2026
Record Date	Fri, Aug 21, 2026
Entitlement Ratio	1 : 1
Issue Size (Shares)	89,85,628
Issue Price	₹20 per share
Terms of Payment	₹20 per share payable in full at the time of application.
Issue Size (Amount)	₹ 17.98 Crores
Face Value	₹10 per share
Listing At	BSE Limited (SME)

सांसद राघव चढ़ा उज्बेकिस्तान की सिनेट स्पीकर से मिले, ब्रिक्स संसदीय फोरम का दिया न्योता

समरकंद। एजेंसी।

भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शनिवार को उज्बेक संसद के उच्च सदन की अध्यक्ष तंजिला नारबायेवा से मुलाकात की और उन्हें इस अक्टूबर दिल्ली में होने वाले 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में आने का न्योता दिया। चड्ढा ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया, 'समरकंद में मुझे उज्बेकिस्तान की ओली मजलिस (संसद) की सीनेट चेयरपर्सन तंजिला नारबायेवा से मिलने का मौका मिला।' नारबायेवा उज्बेकिस्तान के उच्च सदन की पहली महिला चेयरपर्सन हैं। इससे पहले, वह 2016 से 2019 के बीच उज्बेकिस्तान की उप प्रधानमंत्री और महिला समिति की अध्यक्ष रह चुकी हैं। बीजेपी के राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'उन्हें 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के लिए व्यक्ति गत रूप से आमंत्रित करना खुशी की बात थी। इस फोरम की मेजबानी इस साल अक्टूबर में दिल्ली में भारतीय संसद की अध्यक्षता में की जाएगी। भारत ने इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता का अपना चौथा कार्यकाल शुरू किया है। इसके तहत भारत समूह की गतिविधियों के समन्वय, बैठकों की मेजबानी और वार्षिक एजेंडा तय करने की जिम्मेदारी निभा रहा है।' सांसद ने कहा कि हमने भारत और उज्बेकिस्तान के बीच बढ़ते रिश्तों पर बात की। उन्होंने (तंजिला नारबायेवा) भारत और हाल ही में उज्बेकिस्तान की सफल यात्रा करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी के बारे में बहुत अच्छे से बात की और भारत आने में गहरी दिलचस्पी दिखाई। हम भारत में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। चड्ढा अभी उज्बेकिस्तान के समरकंद में हैं। वह तीन दिवसीय 12वां अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) युवा सांसदों का वैश्विक सम्मेलन में भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। गुरुवार को चड्ढा ने एक्स पोस्ट में इस सम्मेलन के लिए चुने जाने पर खुशी जताई थी। उन्होंने कहा कि 4-6 सितंबर तक समरकंद, उज्बेकिस्तान में युवा सांसदों के 12वें इंटर-पार्लियामेंट्री यूनियन ग्लोबल कॉफ्रेंस में भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस प्रतिनिधिमंडल के लिए मुझे नामांकित करने के लिए मैं उपराष्ट्रपति का आभारी हूं।

बीमा/ बैंकिंग/ ज्वैलरी

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण मंदिर, जे.के. सीमेंट परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया

निम्बाहेड़ा | बिज़नेस रेमेडीज

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को श्रीकृष्ण मंदिर, जे.के. सीमेंट परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया।

इस पावन पर्व पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनियों और आकर्षक पुष्प सजावट से सुसज्जित किया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया और देर रात तक आध्यात्मिक वातावरण जीवंत बना रहा। आधी रात की आरती के दौरान, मंदिर में श्री यदुरेश्वराय महादेव, श्रीकृष्णजी और हनुमानजी की विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसने सभी उपस्थितों का मन मोह लिया। इस अवसर पर यूनिट हेड निम्बाहेड़ा एवं मंगरोल, मनीष तोषनीवाल और उनके परिवार द्वारा विशेष पूजा-अर्चना की गई, जिसने इस पावन पर्व को और भी मंगलमय बना दिया। जे. के. सीमेंट लेडीज क्लब और जे. के. ऑफिसर्स क्लब द्वारा विभिन्न झांकियां बनाई गई, जिनमें 'श्रीराम दरबार,' 'कृष्ण कल की लीला,' 'शिव महिमा,' और ' भगवान श्री कृष्ण के बचपन की वे अद्भुत और नटखट घटनाएं' जैसी झांकियां शामिल थी, जो इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे। इन प्रस्तुतियों को जे.के. सीमेंट फैमिली यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल के निर्देशन में प्रस्तुत किया गया, जो वहां उपस्थित सभी लोगों की सराहना का पात्र बना। इस अवसर पर म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने भक्ति के रंग में डूबे हुए वातावरण को और भी सरस बना दिया और श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया।

कार्यक्रम का समापन भजन गायन और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण की महाआरती के साथ हुआ। इस उत्सव में हजारों श्रद्धालु, स्थानीय निवासी, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस बल और कंपनी के सुरक्षा कर्मी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आध्यात्मिक अनुभव का आनंद लिया और भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जन्म का उल्लासपूर्वक उत्सव मनाया।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जे. के. सीमेंट परिवार, अधिकारियों, प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका।

एफसीएनआर (बी) के जरिए डॉलर आकर्षित करने में आईसीआईसीआई बैंक, आरबीएल बैंक और एचएसबीसी रहे सबसे आगे

मुंबई | एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से डॉलर आकर्षित करने के लिए शुरू की गई विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमा स्कीम को निवेशकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और इसमें 127.22 अरब डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया है।

मैक्वेरी, जेफरीज और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज (एमओएसएल) की ब्रोकरेज रिपोर्ट के मुताबिक, इस स्कीम के तहत इनफ्लो को आकर्षित करने के लिए बैंकों ने निवेशकों को आकर्षक ब्याज दरें ऑफर की हैं। इन इनफ्लो में बैंकों की हिस्सेदारी उनके घरेलू कारोबार के हिसाब से निर्धारित नहीं है। कई बैंकों ने अपने आकार के मुकाबले बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आईसीआईसीआई बैंक निजी बैंकों में अग्रणी रहा है। मैक्वेरी के मुताबिक, निजी बैंक ने एफसीएनआर (बी) जमा में 17.88 अरब डॉलर या 1.70 लाख करोड़ रुपए का इनफ्लो आकर्षित किया है। फंड जुटाने में 70 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान बैंक की अपनी बैलेंस शीट से आया, जिसमें उसकी इंटरनेशनल ब्रांच से लिए गए लगभग 9 अरब डॉलर के लोन और दूसरे बैंकों को जारी किए गए 3.6 अरब डॉलर के स्टैंडबाय लेटर ऑफ क्रेडिट शामिल हैं। एमओएसएल का अनुमान है कि आईसीआइ-सीआई बैंक का हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत है, जो अभी भी उसके सामान्य डिपॉजिट-मार्केट हिस्सेदारी से दोगुना है। बैंक की इस मजबूत फंड जुटाने की क्षमता में उसकी इंटरनेशनल बैलेंस शीट का बड़ा योगदान रहा। छोटे निजी बैंक आरबीएल बैंक ने भी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। एमओएसएल के अनुसार, बैंक ने लगभग 3.4 अरब डॉलर जुटाए, जो कुल एफसीएनआर (बी) जमा का लगभग 2.7 प्रतिशत था। यह बैंक के सामान्य डिपॉजिट मार्केट शेयर 0.5 प्रतिशत से काफी ज्यादा था। इस स्कीम का सबसे ज्यादा फायदा विदेशी बैंकों को हुआ। जेफरीज ने बताया कि एफसीएनआर (बी) जमा में उनकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है जून की शुरुआत में यह लगभग 1-2 प्रतिशत थी, जो जुलाई के अंत तक नए डिपॉजिट का 15 से 30 प्रतिशत हो गई।

भारत-रूस ने न्यायिक सहयोग और वैश्विक मंचों पर समन्वय बढ़ाने पर जताई सहमति

नई दिल्ली | एजेंसी

भारत और रूस ने न्यायिक क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आपसी समन्वय बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। दोनों देशों ने पहले हुए समझौतों को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी कदमों पर भी चर्चा की। यह बातचीत भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और रूस के मुख्य न्यायाधीश इगोर क्रास्नोव के बीच नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम के इतर हुई।

भारत में रूसी दूतावास ने टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा, '4 सितंबर को दोनों देशों के सर्वोच्च न्यायिक संस्थानों के प्रमुखों की बैठक हुई। इसमें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रयासों के समन्वय और पहले किए गए समझौतों को मजबूत करने की दिशा में निरंतर काम जारी रखने पर सहमति बनी।' क्रास्नोव ने कहा कि विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के सिद्धांतों पर आधारित भारत-रूस सहयोग को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच 'गर्मजोशी भरे व्यक्ति गत और मैत्रीपूर्ण संबंधों' से भी मजबूती मिलती है।

सोना इस हफ्ते चार हजार रुपए और चांदी आठ हजार रुपए से अधिक सस्ती हुई

नई दिल्ली | एजेंसी

सोने और चांदी में इस हफ्ते बड़ी गिरावट देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुओं का दाम क्रमशः 4,000 रुपए और 8,000 रुपए से अधिक घट गया।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 4,694 रुपए कम होकर 1,54,884 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,59,578 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,41,874 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,46,173 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम कम होकर 1,16,163 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,19,684 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस हफ्ते 24 कैरेट सोने में सबसे न्यूनतम दाम 2 सितंबर को शाम के सत्र में 1,51,184 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 1,55,835 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। सोने के साथ चांदी की कीमत में भी गिरावट देखने को मिली है। चांदी का दाम 8,436 रुपए कम होकर 2,35,456 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,43,892 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 31 अगस्त को शाम के सत्र में 2,37,199 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 3 सितंबर को सुबह के सत्र में 2,28,360 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम करीब 4,500 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 66 डॉलर प्रति औंस के करीब था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में गिरावट की वजह अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ना था।

इलेक्ट्रॉनिक स्पीड लिमिटिंग डिवाइसेस (एसएलडी) और वीएलटीडी जैसे वाहन ट्रैकिंग उपकरणों के निर्माण में संलग्न विशेषज्ञ कंपनी है 'कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड'

राइट्स इश्यू के जरिए 2,098.20 लाख रुपए जुटा रही है कंपनी, 25 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं निवेशक

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

हैदराबाद आधारित 'कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड' इलेक्ट्रॉनिक स्पीड लिमिटिंग डिवाइसेस (एसएलडी) और वीएलटीडी जैसे वाहन ट्रैकिंग उपकरणों के निर्माण में संलग्न विशेषज्ञ कंपनी है। कंपनी द्वारा ऋण अदायगी, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राइट्स इश्यू के जरिए 2,098.20 लाख रुपए जुटाए जा रहे हैं। इस लेख में कंपनी की कारोबारी गतिविधियां, वित्तीय प्रदर्शन, अनुभव और विवरण पर प्रकाश डाला गया है।

कारोबारी गतिविधियां: 2008 में निगमित, कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (सीटीपीएल) ऑटोमोबाइल क्षेत्र में ऑटोमोबाइल सुरक्षा और जीपीएस समाधानों के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी प्रौद्योगिकी-प्रधान इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल ऑटोमोटिव उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करती है। कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित संगठन है। कंपनी इलेक्ट्रॉनिक स्पीड लिमिटिंग डिवाइस (एसएलडी) और जीएसएम/जीपीआरएस/जीपीएस/आईआरएनएसएस आधारित वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) का डिजाइन, विकास, निर्माण, आपूर्ति और सर्विसिंग करती है। कंपनी नवीनतम बीएस-4 मानकों से लेकर पुराने वाहनों के लिए उपयुक्त इलेक्ट्रॉनिक स्पीड लिमिटिंग डिवाइस (एसएलडी), 'MOTOREYE & LIMITS' ब्रांड के इलेक्ट्रॉनिक फ्यूल रेगुलेटर और पेडल इंटरफेस का निर्माण करती है। कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की एक विनिर्माण इकाई हैदराबाद के सिकंदराबाद के मर्रीगुडा में स्थित है। कंपनी के उत्पाद मुख्य रूप से वितरकों और डीलरों के माध्यम से बेचे जाते हैं। कंपनी के पांच शाखा कार्यालय बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम और बालासोर में हैं।

वित्तीय प्रदर्शन: कंपनी के वित्तीय आंकड़े लगातार मजबूत प्रदर्शन को दर्शाते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कुल राजस्व 1,541 लाख रुपए था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 2,403 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इसी अवधि के दौरान कंपनी का कर-पश्चात लाभ 90 लाख रुपए से बढ़कर 102 लाख रुपए और नेट वर्थ 1,569 लाख रुपए से सुधरकर 1,671 लाख रुपए हो गई है। कंपनी की प्रति शेयर आय भी वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1.64 रुपए हो गई है, जो पिछले वर्ष 1.44 रुपए थी।

राइट्स इश्यू का विवरण: कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (सीटीपीएल) अपना राइट्स इश्यू लेकर आई है, जिसके जरिए कंपनी बाजार से कुल 2,098.20 लाख जुटा रही है। इस इश्यू के तहत पात्र शेयरधारकों को 10 रुपए फेसवैल्यू वाले शेयर 15 रुपए प्रति शेयर की कीमत (राइट्स प्राइस) पर दिए जा रहे हैं। कंपनी ने इसके लिए 2:1 का राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात तय किया है, यानी प्रत्येक दो शेयर रखने वाले निवेशक को एक नया शेयर खरीदने का अधिकार मिलेगा। इस इश्यू के माध्यम से जुटाए गए धन का उपयोग मुख्य रूप से वर्किंग कैपिटल आवश्यकताओं (1,255.70 लाख रुपए), प्रमोटर्स के अनसिक्योर्ड लोन के समायोजन (398.85 लाख रुपए), सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों (400.00 लाख रुपए) और इश्यू से संबंधित खर्चों (43.65 लाख रुपए) को पूरा करने के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर वर्तमान में बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हैं। यह इश्यू सोमवार, 31 अगस्त 2026 को खुल चुका है और इसकी अंतिम तिथि शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 तय की गई है। इसके साथ ही, ऑन-मार्केट रिनंसिएशन (शेयर अधिकारों की बिक्री) की अंतिम तारीख मंगलवार, 22 सितंबर 2026 है। इश्यू के बंद होने के बाद शेयरों का आवंटन सोमवार, 28 सितंबर 2026 को किया जाएगा और निवेशकों के डीमैट खातों में ये शेयर मंगलवार, 29 सितंबर 2026 तक क्रेडिट कर दिए जाएंगे। अंततः, इन शेयरों की बीएसई एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्टिंग बुधवार, 30 सितंबर 2026 को होगी, जिसके बाद निवेशक इनमें सामान्य रूप से ट्रेडिंग कर सकेंगे। मजबूत विकास दर और आनंद कुमार सीथला व बोत्चा भवानी जैसे अनुभवी प्रमोटर्स के नेतृत्व के साथ कंपनी आने वाले समय में बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत करने की ओर अग्रसर है।

नोट: यह लेख निवेश सलाह नहीं है।

प्रर्वतको का अनुभव

आनंद कुमार सीताला

52 वर्षीय कंपनी प्रवर्तक आनंद कुमार सीताला कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं। वे कंपनी की स्थापना से ही निदेशक मंडल में हैं। उन्होंने हैदराबाद के डॉ. बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा केंद्र रेलवे डिग्री कॉलेज से समाजशास्त्र में कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें सॉफ्टवेयर विकास के क्षेत्र में 32 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वे एम्बेडेड हार्डवेयर के क्षेत्र में दूरदर्शी, निवेशक, प्रमोटर और सीटीपीएल के संस्थापक हैं।

बोचा भवानी

52 वर्षीया कंपनी प्रवर्तक बोचा भवानी कंपनी की पूर्णकालिक निदेशक हैं। वे कंपनी की स्थापना से ही निदेशक मंडल में हैं। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से तेलुगु में कला में स्नातकोत्तर और इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी से तेलुगु पंडित की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के सरकारी हाई स्कूल में 5 वर्षों तक स्कूल सहायक के रूप में कार्य किया है। बाद में, उन्होंने 2008 में कंटेन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की सह-संस्थापक के रूप में कार्यभार संभाला और कंटेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के मार्केटिंग विभाग की प्रमुख के रूप में 18 वर्षों का अनुभव प्राप्त किया है।

Issue Opens	Mon, 31 Aug 2026
Last Date – On-Market Renunciation	Tue, 22 Sep 2026
Issue Closes	Fri, 25 Sep 2026
Total Issue Size	₹2,098.20 Lakhs
Face Value	₹10 per share
Rights Price	₹15 per share
Entitlement	2 : 1
Lot Size	1,000 shares
Listing On	BSE SME

'उम्मेद भवन' दुनिया के सबसे बड़े निजी महलों में से एक

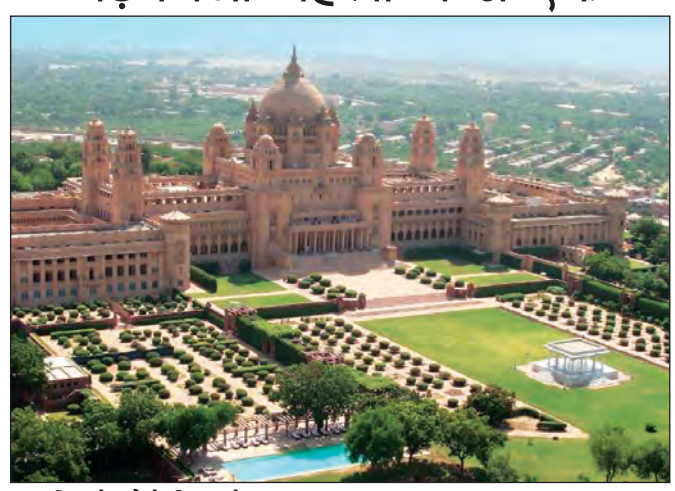

बिज़नेस रेमेडीज/जोधपुर

उम्मैद भवन पैलेस राजस्थान के जोधपुर जिले में स्थित एक महल है। यह दुनिया के सबसे बड़े निजी महलों में से एक है। यह ताज होटल का ही एक अंग है। इसका नाम महाराजा उम्मैद सिंह के पौत्र ने दिया था जो वर्तमान में मालिक है। अभी वर्तमान समय में इस पैलेस में 347 कमरे है। इस उम्मैद भवन पैलेस को चित्तर पैलेस के नाम से भी पहले जाना जाता था जब इसका निर्माण कार्य चालू था। यह पैलेस 1943 में बनकर तैयार हुआ था। आजादी के बाद वर्ष 1978 में इसे होटल में बदल दिया गया। हालांकि आज भी इसके एक भाग में पूर्व नरेश का परिवार रहता है। जोधपुर के प्रसिद्ध चित्तर पत्थर से बना होने के कारण स्थानीय लोग इसे चित्तर पैलेस के नाम से भी जानते हैं। महल को तराशे गए बलुआ पत्थरों को जोड़कर बनाया गया है। मजे की बात यह है कि पत्थरों को बांधने के लिए किसी मसाले का उपयोग नहीं किया गया।

जब आप किसी राजसी किले की ऊंची दीवारों, बुर्ज और उसकी जटिल बनावट से रूबरू होते हैं, उसके झरोखों से बाहर दूर तक झांकते हैं और यह सुनते हैं कि राज्य की आन-बान-शान के लिए यहां के सैनिक दुश्मन सैनिकों से लड़ते हुए अपनी जान की कुर्बानी देने में जरा भी नहीं हिचके, तो आप निश्चित रूप से अपनी उस विरासत से मुलाकात करते हैं जो इतिहास के पन्नों में आज भी गर्व से जीवित है। इसके अलावा, जब आपको राजा-महाराजाओं के महल में उनके समय के जैसे ठाठ-बाट के साथ लगभग उसी माहौल में रहने का अवसर मिलता है, तो एकबारगी आपको ऐसा लग सकता है जैसे आप खुद वहां के महाराजा या फिर राजपरिवार के सदस्य हों। यह एहसास आपके लिए ताउम्र न भूलने वाला हो सकता है। और अगर मन में कहीं उनकी शानो-शौकत को महसूस करने की इच्छा है, तो महलों में रात गुजारिए। भले ही अब राजा-महाराजा और उनकी शानो-शौकत बरकरार न हो, लेकिन उनके रुतबे और शाही ठाट-बाट का अनुभव आज के समय में आप भी किलों और महलों में जाकर काफी हद तक हासिल कर सकते हैं। दरअसल, राजसी गौरव के प्रतीक कई किले और महल आज लक्जरी होटलों में तब्दील हो चुके हैं, जहां आधुनिक युग की तमाम सुख-सुविधाओं के साथ हेरिटेज फील को भी काफी हद तक संजोया गया है। पर्यटन के लिहाज से इन किलों और महलों की सैर काफी रोमांचकारी साबित हो सकती है। यहां पर रुकना एक राजसी एहसास और इतिहास के उन पलों में लौटने जैसा है।

हेल्थ/ लाइफस्टाइल/एजुकेशन

मणिपाल हॉस्पिटल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर ने 'ज़िंदगी जिंदाबाद' कैंसर वॉरियर स्पोर्ट्स समिट में साहस, मजबूती और जीवन के जज़्बे का जश्न मनाया

कोलकाता|बिज़नेस रेमेडीज

कैंसर जीवन की दिशा बदल सकता है, लेकिन यह जीवन की पहचान नहीं बनना चाहिए। कैंसर का सफर केवल इलाज और ठीक होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें साहस, मजबूती, भावनात्मक ताकत और जीवन को पूरी तरह जीते रहने का संकल्प भी शामिल है। इसी भावना को मजबूत करते हुए, मणिपाल हॉस्पिटल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर ने 'कैंसर वॉरियर स्पोर्ट्स समिट -जिंदगी ज़िंदाबाद' का आयोजन किया। इसमें कैंसर से जूझ रहे लोगों ने एक साथ भाग लिया और खेल, दोस्ती, आत्मविश्वास तथा इंसानी जज़्बे की जीत का जश्न मनाया।

इस समिट का उद्देश्य ऐसा माहौल बनाना था, जहां कैंसर से जूझ रहे लोग इलाज से जुड़े तनाव और अस्पताल के माहौल से कुछ समय के लिए दूर होकर भागीदारी, बातचीत और साथ होने की खुशी महसूस कर सकें। कार्यक्रम में कैरम, शतरंज, रिंग टॉस, दिमागी पहेलियां, उलझे हुए शब्द, अंताक्षरी, संगीत और मस्ती जैसी कई मजेदार गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के जरिए कैंसर के सफर के दौरान सक्रिय रहने, मानसिक रूप से जुड़े रहने और लोगों के साथ जुड़े रहने के महत्व को सामने रखा गया। यह कार्यक्रम केवल एक खेल आयोजन नहीं था, बल्कि इस बात की याद दिलाता है कि कैंसर के दौरान और उसके बाद भी जीवन में उद्देश्य, हंसी, उम्मीद और खूबसूरत अनुभव बने रह सकते हैं। कार्यक्रम में मणिपाल हॉस्पिटल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इनमें डॉ. सौरव दत्ता, निदेशक, मणिपाल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर, ब्रॉडवे और मुकुंदपुर क्लस्टर, कोलकाता; डॉ. नेहा चौधरी, वरिष्ठ सलाहकार एवं विभागाध्यक्ष, ब्रेस्ट सर्जरी; डॉ. देबांजली दत्ता, एसोसिएट सलाहकार, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी; डॉ. पूजा अग्रवाल, सलाहकार, ब्रेस्ट सर्जरी; डॉ. राजीब डे, क्लिनिकल लीड एवं वरिष्ठ सलाहकार, क्लिनिकल हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट; डॉ. अरुणव रॉय, वरिष्ठ सलाहकार एवं प्रमुख, गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी; डॉ. हर्ष धर, वरिष्ठ सलाहकार एवं विभागाध्यक्ष, हेड एंड नेक सर्जरी; और डॉ. किंशुक चटर्जी, सलाहकार, हेड एंड नेक सर्जरी शामिल थे। डॉक्टरों ने कैंसर से जूझ रहे लोगों से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि कैंसर का इलाज केवल बीमारी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि मरीजों के शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम में मेहताब हुसैन, पूर्व भारतीय फुटबॉलर और जाने-माने मिडफील्डर; अंजलि सराओगी, भारतीय अल्ट्रामैराथन धावक, जो अपनी सहनशक्ति और दृढ़ संकल्प के लिए जानी जाती हैं; और अनूप कुमार दास, भारतीय क्रिकेटर, भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम के उत्साह और ऊर्जा को बढ़ाया तथा प्रतिभागियों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने, फिटनेस को महत्व देने और जीवन के हर पड़ाव पर अपनी पसंद और जुनून को जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

इस पहल और कैंसर के इलाज से आगे देखने की जरूरत पर बात करते हुए, डॉ. सौरव दत्ता, निदेशक, मणिपाल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर, ब्रॉडवे और मुकुंदपुर क्लस्टर, कोलकाता ने कहा, ÷कैंसर की देखभाल केवल इलाज की योजना के साथ खत्म नहीं होती। हर कैंसर वॉरियर के सफर में शारीरिक ताकत, भावनात्मक मजबूती और एक मजबूत सहयोग की जरूरत होती है। कैंसर वॉरियर स्पोर्ट्स समिट जैसी पहल एक ऐसा माहौल बनाती हैं, जहां मरीज फिर से जीवन की खुशी महसूस कर सकते हैं, अपनी प्रगति का जश्न मना सकते हैं और खुद को केवल कैंसर मरीज की पहचान से आगे महसूस कर सकते हैं। 'ज़िंदगी ज़िंदाबाद' उम्मीद चुनने और जीवन का जश्न मनाने की इसी भावना का उत्सव है।'

कैंसर के सफर में फिटनेस और शरीर की सक्रियता के महत्व पर डॉ. नेहा चौधरी, वरिष्ठ सलाहकार एवं विभागाध्यक्ष, ब्रेस्ट सर्जरी ने कहा, 'कई कैंसर वॉरियर्स के लिए यह सफर शरीर, आत्मविश्वास और रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव ला सकता है। अपनी स्वास्थ्य स्थिति और डॉक्टर की सलाह के अनुसार शारीरिक रूप से सक्रिय रहना आत्मविश्वास वापस पाने और सामान्य जीवन की भावना को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

कैंसर के इलाज के दौरान चिकित्सा और भावनात्मक सहयोग की भूमिका पर पूजा अग्रवाल, सलाहकार, ब्रेस्ट सर्जरी ने कहा, 'कैंसर का इलाज शारीरिक और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है और मरीज अक्सर बीमारी के साथ डर और गलत धारणाओं का भी सामना करते हैं। हमें ऐसा माहौल बनाना होगा, जहां कैंसर के बारे में बात करना डर या शर्म से जुड़ा न हो। कैंसर वॉरियर को परिवार, काम, समाज और उन गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जो उन्हें खुशी देती हैं। उनका सफर केवल बीमारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी गरिमा, आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखने के बारे में भी है।'

कैंसर से जुड़े सामाजिक कलंक को खत्म करने की जरूरत पर डॉ. अरुणव रॉय, वरिष्ठ सलाहकार एवं प्रमुख, गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी ने कहा, 'कैंसर से आज भी सामाजिक कलंक जुड़ा हुआ है, जो कई बार मरीजों के लिए इलाज की शारीरिक चुनौतियों जितना ही मुश्किल हो सकता है। हमें कैंसर को लेकर अधिक खुले और संवेदनशील तरीके से बातचीत करने की जरूरत है, ताकि मरीज बिना झिझक इलाज ले सकें, अपनी चिंताओं के बारे में बात कर सकें और रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल रह सकें। 'ज़िंदगी ज़िंदाबाद' जैसे आयोजन डर और सीमाओं से आगे बढ़कर साहस, आत्मविश्वास और संभावनाओं की ओर सोच बदलने में मदद करते हैं।' कैंसर से उबरने के पूरे सफर और सकारात्मक सोच के महत्व पर डॉ. राजीब डे, क्लिनिकल लीड एवं वरिष्ठ सलाहकार, क्लिनिकल हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट ने कहा, 'कैंसर का इलाज करा रहे या इलाज के बाद ठीक हो रहे मरीजों के लिए हर छोटी-बड़ी उपलब्धि को पहचानना जरूरी है। कैंसर से उबरना केवल इलाज पूरा करने तक सीमित नहीं है; यह धीरे-धीरे अपनी दिनचर्या, आत्मविश्वास और खुद की पहचान को वापस पाने के बारे में है।

पीएफसी एजुकेशन में शिक्षक दिवस की धूम, विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से जीता दिल

उदयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

शिक्षक और विद्यार्थी के बीच स्नेह, सम्मान एवं विश्वास के रिश्ते को समर्पित शिक्षक दिवस के अवसर पर पीएफसी एजुकेशन इंस्टीट्यूट में हर्षोल्लास के साथ भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया।

समारोह में पीएफसी एजुकेशन की निदेशक एवं शिक्षिका मीनाक्षी भेरवानी मैम ने विद्यार्थियों को उनके करियर एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान से विद्यार्थियों का उत्साह बड़ा और उन्हें अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण पीएफसी एजुकेशन के नए एंथम का लॉन्च रहा। एंथम में संस्थान से जुड़े 9 विद्यार्थियों

की प्रेरणादायक कहानियों को प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों के संघर्ष, मेहनत और उपलब्धियों को एंथम के माध्यम से प्रभावी ढंग से दर्शाया गया, जिसे सभी ने सराहा। आगामी एसीसीए परीक्षाओं को लेकर भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। सोमवार से शुरू होने वाली परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने तथा अपनी मेहनत पर भरोसा रखने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने डांस, म्यूजिक, मिमिक्री और कविता सहित विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। कई विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए भावनात्मक एवं प्रेरणादायक विचार साझा करते हुए उनके मार्गदर्शन, सहयोग और निरंतर समर्थन के प्रति आभार व्यक्त किया।

एआई के दौर में शिक्षक की भूमिका और अहम : नितिन विजय

कोटा | बिज़नेस रेमेडीज

मोशन एजुकेशन के फाउंडर एवं एजुकेटर नितिन विजय ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल लर्निंग के दौर में जानकारी आसानी से उपलब्ध है, लेकिन उसे विद्यार्थियों तक सरल और प्रभावी ढंग से पहुंचाने की जिम्मेदारी शिक्षक की ही है। इसलिए शिक्षकों को स्वयं भी विद्यार्थी बने रहकर लगातार सीखते रहना होगा।

वे शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर मोशन एजुकेशन के जेईई, नीट एवं फाउंडेशन डिवीजन के शिक्षकों के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। गीत-

संगीत और हास्य प्रस्तुतियों से सजे समारोह में स्थानीय कलाकारों के अलावा मुंबई के जाने माने स्टैंडअप कॉमेडियन इन्दर साहनी ने भी प्रस्तुति दी। इस दौरान संस्थान के चेयरमैन सुरेंद्र विजय, डायरेक्टर श्रीमती सुशीला विजय एवं डॉ. स्वाति विजय ने शिक्षकों का अभिनंदन किया। नितिन विजय ने कहा कि ज्ञान होना और उसे प्रभावी ढंग से समझा पाना, अलग-अलग बातें हैं। अच्छा शिक्षक वह है, जो कठिन विषय को भी सरल, स्पष्ट और रोचक तरीके से समझा सके। इसके लिए विद्यार्थियों से जुड़ाव और भरोसे का रिश्ता जरूरी है। शिक्षक को जरूरत के अनुसार शिक्षक के साथ-साथ मोटिवेटर, सलाहकार, बड़े भाई या दोस्त की भूमिका भी निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों को न डिग्री देता है और न मार्कशीट। विद्यार्थी यहां सीखने और मार्गदर्शन की उम्मीद लेकर आते हैं। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों की देखभाल हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों के साथ सहज और वास्तविक रहें तथा उनमें सीखने की इच्छा पैदा करें। उन्होंने कहा-मेरे भीतर का विद्यार्थी आज भी जीवित है और मैं लगातार कुछ नया सीखता रहता हूं। शिक्षकों को भी सीखने का सिलसिला कभी बंद नहीं करना चाहिए।

समारोह का माहौल गीत-संगीत और हास्य प्रस्तुतियों से खुशनुमा बना रहा। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। गीतों की मधुर धुनों और संगीत की सुरमयी प्रस्तुतियों ने समारोह में उत्साह और उमंग का रंग भर दिया। वहीं, हास्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम का खास आकर्षण मुंबई के जाने-माने स्टैंडअप कॉमेडियन इन्दर साहनी की प्रस्तुति रही। उन्होंने अपने चुटीले अंदाज, सहज हास्य और रोचक किस्सों से दर्शकों को जमकर हंसाया। उनकी प्रस्तुति के दौरान सभागार तालियों और ठहाकों से गूंजता रहा। समारोह में मनोरंजन के साथ उत्सव का माहौल बना रहा।

मारुति सुज़ुकी की प्रीमियम हैचबैक खंड में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

भारतीय यात्री वाहन बाजार में प्रीमियम हैचबैक खंड की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, भले ही ग्राहकों के बीच स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) सबसे पसंदीदा वाहन बना हुआ है। मारुति सुज़ुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि कंपनी ने अपनी प्रीमियम हैचबैक बलेनो का नया संस्करण पेश किया है, जिसकी शुरुआती विशेष त्योहारी कीमत बेंगलुरु में 6.09 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। उनका मानना है कि देश में यात्री वाहनों की कुल बिक्री सालाना 63 लाख इकाइयों तक पहुंचने के अनुमान के बीच प्रीमियम हैचबैक की बाजार में करीब 35 प्रतिशत हिस्सेदारी हो सकती है। बनर्जी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 लागू होने के समय वाहन उद्योग में कई लोगों का मानना था कि इसका सबसे ज्यादा फायदा एसयूवी को होगा, लेकिन फिलहाल कंपनी की हैचबैक कारों का प्रदर्शन काफी अच्छा है। उन्होंने कहा, 'एसयूवी के लिए बाजार है, लेकिन प्रीमियम हैचबैक के लिए भी बाजार मौजूद है।' पिछले पांच महीनों में प्रीमियम हैचबैक खंड की बिक्री करीब 2.5 लाख इकाइयां रही है। इस दौरान यात्री वाहन उद्योग की कुल बिक्री करीब 4.4 लाख इकाइयां रही। उन्होंने कहा, 'आज बिकने वाली प्रीमियम हैचबैक में हर तीसरी कार बलेनो है।''

Tecno Pova 8 Pro 5जी नये अवतार में हुआ लॉन्च

टोनिनो लैम्बोर्गिनी से प्रेरित इस फोन में लग्जरी डिजाइन, और बड़ी बैटरी का मेल देखने को मिलता है।

नई दिल्ली बीआर न्यूज़ नेटवर्क
businessremedies.com

टेक्नो ने अपने लोकप्रिय स्मार्टफोन Tecno Pova 8 Pro 5जी Tonino Lamborghini Limited Edition का नया विशेष संस्करण बाजार में उतारा है। टोनिनो लैम्बोर्गिनी से प्रेरित इस फोन में लग्जरी डिजाइन, दमदार प्रदर्शन और बड़ी बैटरी का मेल देखने को मिलता है। फोन को खासतौर पर प्रीमियम लुक और आधुनिक तकनीक पसंद करने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी ने अभी इसकी कीमत का खुलासा नहीं किया है।

लैम्बोर्गिनी से प्रेरित डिजाइन

फोन को खास काले और लाल रंग के संयोजन में पेश किया गया है। पिछले हिस्से पर पल्स लाइन, षट्कोणीय पैटर्न और टोनिनो लैम्बोर्गिनी का लोगो दिया गया है। चमकदार धात्विक फिनिश और अंदरूनी दर्पण संरचना इसे प्रीमियम रूप देती है।

दमदार प्रदर्शन और बड़ी बैटरी

Tecno Pova 8 Pro 5G Tonino Lamborghini Limited Edition में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 अल्टीमेट चिपसेट दिया गया है। इसमें 8 जीबी तक रैम और 512 जीबी तक भंडारण मिलता है। फोन में 6,500 एमएएच की बड़ी बैटरी है, जो 45 वॉट तेज चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

144 हर्ट्ज की चमकदार स्क्रीन

फोन में 6.78 इंच की हाइपरलक्स एमोलेड स्क्रीन दी गई है। इसका रिजॉल्यूशन 2644X1208 पिक्सल और ताज़ा दर 144 हर्ट्ज है। स्क्रीन की अधिकतम चमक 4,500 निट्स तक है और सुरक्षा के लिए गोरिल्ला ग्लास 7आई दिया गया है।

स्थिर तस्वीरों के लिए 50 मेगापिक्सल कैमरा

फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा दिया गया है, जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्थिरीकरण की सुविधा है। इसके साथ 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा और आगे की तरफ 13 मेगापिक्सल का कैमरा मिलता है। पिछले हिस्से पर दिया गया विशेष मैट्रिक्स डिस्प्ले फोन के डिजाइन को और आकर्षक बनाता है।

स्मार्ट फीचर्स और गेमिंग के लिए खास तकनीक

Tecno Pova 8 Pro 5G Tonino Lamborghini Limited Edition में कस्टमाइज्ड इंटरफेस, विशेष बूट एनीमेशन और Alive Matrix Display दिया गया है। इसमें वन-टैप बटन भी मिलता है, जिससे कैमरा, पसंदीदा ऐप्स और गेमिंग शॉर्टकट तक जल्दी पहुंच बनाई जा सकती है। गेमिंग के लिए फोन में अलग ग्राफिक्स चिप और कूलिंग सिस्टम भी दिया गया है।

नॉइज़ ने मास्टर बड्स ओपन ईयरबड्स पेश किए

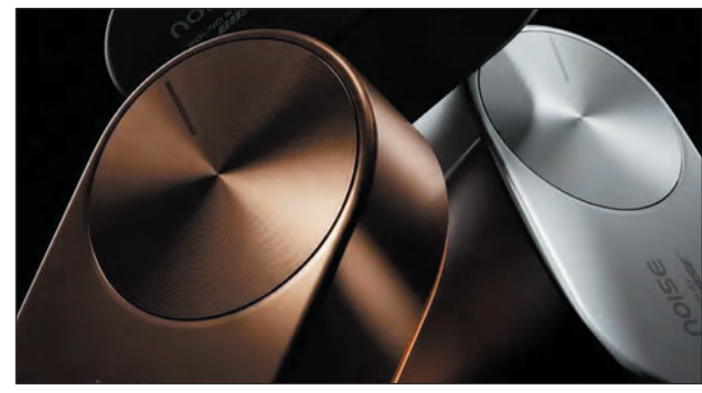

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

संगीत सुनने के साथ आसपास की आवाजों से भी जुड़े रहने के लिए नॉइज़ ने आईएफए 2026 में अपने नए खुले कान वाले ईयरबड्स नॉइज़ मास्टर बड्स ओपन पेश किए हैं। इनमें कानों पर टिकने वाला क्लिप जैसा डिजाइन दिया गया है। खास बात यह है कि ये कानों को पूरी तरह बंद नहीं करते, जिससे संगीत सुनते या फोन पर बातचीत करते समय आसपास की आवाजें भी सुनाई देती रहती हैं। सड़क पर चलते समय, दौड़ लगाते हुए या जिम में व्यायाम करते समय यह डिजाइन उपयोगी हो सकता है।

कानों पर टिकने वाला आरामदायक डिजाइन

नॉइज़ मास्टर बड्स ओपन को खुले कानों वाली तकनीक के साथ तैयार किया गया है। इनका डिजाइन क्लिप की तरह कान के बाहरी हिस्से पर टिकता है। कान के पास गोल ध्वनि वाला हिस्सा दिया गया है, जबकि नीचे की ओर इसका डंडीनुमा भाग है। इस डिजाइन का उद्देश्य लंबे समय तक संगीत सुनने के दौरान आराम बनाए रखना है।

बोस की ध्वनि तकनीक से बेहतर आवाज

इन ईयरबड्स में बोस की ध्वनि तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी के अनुसार, बोस की ध्वनि तकनीक के जरिए उपयोगकर्ताओं को बेहतर और स्पष्ट आवाज का अनुभव मिलेगा। हालांकि, इनके ध्वनि चालकों और अन्य तकनीकी खूबियों की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

तीन रंगों में पेश किए गए

नॉइज़ मास्टर बड्स ओपन को तीन अलग-अलग रंगों में पेश किया गया है। इनमें काले, सुनहरे और कांस्य जैसे रंग दिखाई दिए हैं। हालांकि, कंपनी ने अभी इन रंगों के आधिकारिक नाम की पुष्टि नहीं की है। इनके अलावा बैटरी क्षमता, संगीत चलने का समय और संपर्क तकनीक से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी अभी जारी नहीं की गई है।

सितंबर के अंत में शुरू हो सकती है बिक्री

नॉइज़ मास्टर बड्स ओपन की भारत में बिक्री सितंबर के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। इन्हें कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाइन मंचों से खरीदा जा सकेगा। कंपनी जल्द ही इनकी बिक्री की निश्चित तारीख, कीमत और अन्य तकनीकी खूबियों की जानकारी साझा कर सकती है।

विविध

एसरी इंडिया ने स्वदेशी जीआईएस सॉफ्टवेयर GeoSARAL लॉन्च किया

नई दिल्ली | बिजनेस रेमेडीज

भारत में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) सॉफ्टवेयर, लोकेशन इंटेलिजेंस और मैपिंग सॉल्यूशंस के क्षेत्र में बाजार की अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने GeoSARAL नाम से एक लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर लांज करने की घोषणा की। पिछले कई वर्षों में टेक्नोलॉजी, प्रतिभा एवं नवप्रवर्तन मे सतत निवेश के साथ एसरी इंडिया स्थानीयकरण पर विशेष ध्यान देती रही है। इसका उद्देश्य ऐसे सॉल्यूशंस विकसित करना है जो भारत में जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजीज़ को तेजी से अंगीकार करने से उपजी जरूरतें पूरी कर सकें। GeoSARAL एसरी इंडिया टीम द्वारा इसस सतत ध्यान और प्रयासों का परिणाम है।

संगठनों में पेशेवर जीआईएस यूज़र्स उन्नत विश्लेषण, 3डी, नेटवर्क विश्लेषण और जटिल मानचित्रण के लिए ArcGIS का उपयोग करते हैं। इसके साथ ही ऐसे यूज़र्स भी हैं जिन्हें मैपिंग, विज़ुअलाइजेशन, जांच एवं संपादन जैसे आसान कामों के लिए एक डेस्कटॉप जीआईएस की जरूरत पड़ती है। GeoSARAL उन्हीं लोगों के लिए है। इसकी अवधारण सभी उपक्रमों और सरकारी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में एसरी इंडिया के

ArcGIS यूजर से एक हल्के, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए तैयार की गई। GeoSARAL को विंडोज़ पर भी सपोर्ट मिलता है और एंड्रॉयड संस्करण जल्द ही आ रहा है।

एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक अगेन्द्र कुमार ने कहा, 'ग्राहकों की जरूरतों के साथ नवप्रवर्तन हमारी टेक्नोलॉजी यात्रा के केंद्र में रहा है। GeoSARAL की लांचिंग एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। GeoSARAL के शुरुआती यूज़र्स मैपिंग, विज़ुअलाइजेशन, एडिटिंग और क्वेरीइंग के लिए किफायती, लाइनक्स आधारित डेस्कटॉप जीआईएस सॉफ्टवेयर पाकर बहुत खुश हैं। यह इन कामों के लिए ArcGIS वातावरण में असरदार ढंग से काम करता है जिससे कुछ यूज़र्स की साधारण जीआईएस जरूरतें पूरी होती हैं, जबकि दूसरे यूजर्स ज्यादा एडवांस्ड ArcGIS क्षमताओं का इस्तेमाल करते हैं। GeoSARAL लाइनक्स और विंडोज दोनों पर काम करता है और एंड्रॉयड के लिए भी सपोर्ट आने वाला है।'

GeoSARAL यूजर्स के मौजूदा ArcGIS इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ मिलकर काम करता है और इंडो ArcGIS लिविंग एटलस के बेहतरीन कंटेंट का फायदा उठा सकता है। यह यूजर्स को बिना इंटरनेट कनेक्शन के भी स्थानीय स्तर पर स्टोर किए गए जीआईएस डेटा और बेस मैप्स को देखने, प्रबंधन करने और उनका विश्लेषण करने की सुविधा देता है। इसे मौजूदा ArcGIS पारितंत्र के साथ आसानी से एकीकृत होने के लिहाज से डिजाइन किया गया है और यह एंटरप्राइस स्तर की सुरक्षा प्रदान करता है।

जैसे जैसे जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, रक्षा, जनोपयोगी सुविधाओं, नगरीय विकास, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जरूरी होती जा रही है, स्थानीय विकास घरेलू टेक्नोलॉजी क्षमताओं को मजबूत करते हुए इस देश की विशेष जरूरतों को पूरा करने में एक अहम भूमिका निभाएगा। GeoSARAL व्यापक प्रौद्योगिकीय आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में योगदान करता एक कदम है।

लैम रिसर्च की नई पहल से युवाओं को मिलेगा कौशल और रोजगार का मौका

बेंगलुरु | बिजनेस रेमेडीज

लैम रिसर्च कॉर्पोरेशन, जो सेमीकंडक्टर बनाने की मशीनें और तकनीक देने वाली दुनिया की प्रमुख कंपनियों में से एक है, ने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत एक नई पहल शुरू की है। इसके जरिए सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में काम करने के लिए जरूरी कौशल सिखाया जाएगा। साथ ही, उन्हें रोजगार के बेहतर मौकों तक पहुंच बनाने में भी मदद की जाएगी।

भारत में आधुनिक तकनीक पर आधारित बड़े औद्योगिक केंद्र विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके चलते देश के कई औद्योगिक क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस, सेमीकंडक्टर उपकरण, प्रिसिजन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और मेडिकल उपकरणों के निर्माण का तेजी से विस्तार हो रहा है। लैम रिसर्च ने भारत में सीएसआर पहल के तहत 'लैम रिसर्च स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम' शुरू किया है। इसके तहत युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें नौकरी पाने में भी मदद की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए ज्यादा कुशल कर्मचारी तैयार करना और युवाओं को रोजगार के लिए अच्छी तरह तैयार करना है। साथ ही कार्यस्थलों को ज्यादा समावेशी बनाने पर भी जोर है। इस कार्यक्रम का पहला चरण मई 2026 में बेंगलुरु से शुरू हुआ था। फिलहाल लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें प्रशिक्षण देने का काम जारी है। लैम रिसर्च का यह कौशल विकास कार्यक्रम कैपिटल गुड्स स्किल काउंसिल के तहत है और एनएसक्यूएफ लेवल-3 के मानकों के अनुरूप है। कंपनी के सहयोगी संगठन की ओर से चलाए जा रहे इस कार्यक्रम में असेंबली लाइन ऑपरेटर के काम के लिए 240 घंटे का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनों को जोड़ने की बुनियादी जानकारी, फैक्टरी में उत्पादन का काम, गुणवत्ता की जांच, सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े नियम तथा कार्यस्थल पर काम करने के जरूरी कौशल सिखाए जाएंगे।

इंडियन बैंक ने राजस्थान और मध्य प्रदेश में आयोजित रैम आउटरीच कार्यक्रम में रूपये 2,150 करोड़ के ऋण वितरित किए

जयपुर | बिजनेस रेमेडीज

जयपुर में क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय के उद्घाटन के साथ राजस्थान में बैंक की मौजूदगी और हुई मजबूत

इंडियन बैंक ने जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित रिटेल, एग्रीकल्चर एवं एमएसएमई (रैम) आउटरीच कार्यक्रम के दौरान राजस्थान और मध्य प्रदेश के लाभार्थियों को कुल रूपये 2,150 करोड़ के ऋण वितरित किए। यह कार्यक्रम इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी बिनोद कुमार के जयपुर दौरे का हिस्सा था। इसके माध्यम से बैंक ने व्यक्तियों, किसानों और कारोबारियों को समयबद्ध एवं सुगम ऋण उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। अपने दौरे के दौरान बिनोद कुमार ने इंडियन बैंक की एमसीबी शाखा, जयपुर तथा क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय (FGMO), जयपुर का उद्घाटन किया। इन पहलों से क्षेत्र में बैंक की परिचालन एवं प्रशासनिक क्षमता को और मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर बिनोद कुमार, एमडी एवं सीईओ, इंडियन बैंक ने कहा, 'राजस्थान इंडियन बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण और तेजी से विकसित हो रहा बाजार है। जयपुर में क्षेत्र महाप्रबंधक कार्यालय की स्थापना राज्य में हमारी मौजूदगी को और

मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य केवल शाखाओं और कारोबार का विस्तार करना नहीं, बल्कि राजस्थान के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करना है।

'कृषि, एमएसएमई, रिटेल और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को समय पर और सुगम वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर हम उद्यमिता को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर सृजित करने और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में योगदान दे रहे हैं। रैम (RAM) आउटरीच कार्यक्रम के तहत रूपये 2,150 करोड़ का ऋण वितरण हमारे ग्राहकों की विविध वित्तीय जरूरतों को पूरा करने और उनकी विकास संबंधी आकांक्षाओं को समर्थन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

नवस्थापित क्षेत्र महाप्रबंधक (FGMO) जयपुर राजस्थान और मध्य प्रदेश के लिए प्रशासनिक कार्यालय के रूप में कार्य करेगा। इसके अंतर्गत राजस्थान के दो अंचल कार्यालय और मध्य प्रदेश के चार अंचल कार्यालय कार्य करेंगे। इससे दोनों राज्यों में बैंक के परिचालन समन्वय को बेहतर बनाने और ग्राहकों की बदलती बैंकिंग एवं ऋण जरूरतों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।

एफजीएमओ (FGMO) जयपुर के उद्घाटन के अवसर पर रवि कुमार, क्षेत्र महाप्रबंधक; धीरज भाटिया, उप महाप्रबंधक; तथा मिथिलेश कुमार वर्मा, अंचल प्रबंधक, अंचल कार्यालय जयपुर सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी, सेवानिवृत्त अधिकारी तथा ऑफिसर्स एवं एम्प्लॉइज यूनियन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रकाशक एवं मुद्रक पुनीत जैन द्वारा सिंघवी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए आकाशदीप प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स सेक्टर नं.11, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर-302020 जयपुर से मुद्रित एवं 217, सैकंड फ्लोर, ओके प्लस स्क्वायर, सेक्टर 7, मानसरोवर, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : पुनीत जैन मो. 9929106227, आर.एन.आई नं.: RAJHIN/2013/54166' पोस्टल रजि. नं. जयपुर सिटी/006/2024-26, E-Mail: remediesbusiness@gmail.com